RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 229 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

देश के PM वोट चोरी से सत्ता में हैं : राहुल

बेंगलुरू में वोट अधिकारी रैली निकाली, ईसी पर फिर बोला हमला

EC ने चुनाव कर्मियों का मानदेय बढ़ाया

बेंगलुरू/ नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। ताजा हमले में राहुल ने दावा किया है वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण एक 'संस्थागत चोरी' है। राहुल ने प्रधानमंत्री पर भी हमला बोला और कहा कि देश का प्रधानमंत्री वोट चोरी से प्रधानमंत्री के पद पर है।

राहुल गांधी ने आज बेंगलुरू में वोट अधिकार रैली निकालकर लोगों को संबोधित किया। राहुल ने अपने संबोधन के दौरान कल की गई प्रेस वार्ता में लगाए गए आरोपों को दोहराया और कहा कि पूरे हिन्दुस्तान में वोट चोरी हुए हैं। वोट चोरी करना संविधान के साथ बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा संविधान के खिलाफ है। राहुल ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री वोट चोरी से प्रधानमंत्री के पद पर है। राहुल ने आरोप लगाया है कि एक कमरे के घर में 50 वोटर मिले हैं। राहुल ने कहा कि अगर हमें चुनाव आयोग डिजिटल डाटा, वीडियोग्राफी की रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराए तो हम सच सामने लाएंगे। राहुल ने कहा कि मुझे कहते हैं कि शपथ लें जबकि मैंने संविधान के सामने शपथ ली है और हमारा संविधान देश की आवाज है।

इससे पहले राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह यूटूयब चैनल पर भी एक वीडियो जारी किया है जिसमें राहुल गांधी ने दावा किया कि चुनाव आयोग गरीबों के वोटिंग राइट्स को छीनने के इरादे से इस 'चोरी' को अंजाम देने के लिए बीजेपी के साथ 'खुलेआम मिलीभगत' कर रहा है।

राहुल गांधी नेअपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर को इसलिए लाया गया है क्योंकि चुनाव आयोग जानता है कि हमने उनकी चोरी पकड़ ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और भाजपा चुनावों की चोरी के लिए मिलीभगत कर रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के एक दिन बाद, जिसमें उन्होंने देश भर के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में कथित तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे वोट चोरी मॉडल की ओर इशारा किया था, राहुल ने कांग्रेस द्वारा की गई जांच और 2024 के लोकसभा चुनावों से कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों के विश्लेषण से क्या पता चलता है, इसकी व्याख्या करते हुए एक वीडियो जारी किया।

राहुल गांधी वीडियो में अपने दावों को दोहराते हुए कहा कि कर्नाटक की बैंगलोर सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में पांच तरह की हेराफेरी के जरिए 1 लाख से अधिक वोट 'चुराए' गए।

राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों में महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में 1,00,250 वोट चोरी हुए। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत में ऐसी 100 से ज्यादा सीटें हैं।

यहां जो हुआ है, वही इन सीटों पर भी हुआ है। अगर भाजपा की 10-15 सीटें कम होतीं, तो मोदी प्रधानमंत्री नहीं होते और भारत में इंडी गठबंधन की सरकार होती।

राहुल तैयारी करके झूठ बोलते हैं और संवैधानिक संस्थाओं को धमकाते हैं, राहुल को ऐसी भाषा शोभा नहीं देती

वोटर लिस्ट देने में क्या दिक्कत, हम सबूत देते हैं और वह शपथ-पत्र मांगते हैं

चुनाव आयोग को धमका रहे हैं राहुल गांधी, संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है।

पार्किंग विवाद में हुमा कुरैशी के भाई की हत्या

झगड़े के दौरान चाकू से गोदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में पार्किंग विवाद के चलते हुई हत्या ने इलाके को दहला दिया। मृतक की पहचान 42 वर्षीय आसिफ के रूप में हुई है, जो बॉलीवुड एक्टर हुमा कुरैशी के चचेरे भाई हैं। परिवार का आरोप है कि यह केवल झगड़े में हुआ मर्डर नहीं, बल्कि पहले से रची गई साजिश लग रही है।

परिवार और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात करीब साढ़े नौ से दस बजे के बीच यह वारदात हुई। आसिफ की पत्नी ने बताया कि उनके घर के सामने पड़ोस के एक युवक ने स्कूटी खड़ी कर दी थी, जिससे मुख्य गेट बंद हो गया. उन्होंने युवक से स्कूटी को थोड़ा आगे करने को कहा, जिस पर उसने गाली-गलौज शुरू कर दी और धमकी दी कि अभी आता हूँ और बताता हूं. थोड़ी देर बाद वह अपने भाई के साथ वापस आया और सीधे आसिफ पर हमला कर दिया. परिवार वालों के मुताबिक इससे पहले भी ये लोग आरिफ पर हमला कर चुके थे। आरोप है कि हमलावर के हाथ में नुकीला हथियार था, जिसे उसने आसिफ के सीने में घोंप दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ससुराल में विवाहिता के साथ दहेज के लिए उत्पीड़न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 में एक महिला ने अपने पति सहित ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न व मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके जेठ ने उसके साथ बलात्कार करने की भी कोशिश की थी।

थाना बीटा-2 क्षेत्र में रहने वाली सायरा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका निकाह 3 मार्च 2023 को स्वर्ण जयंती विहार टिकरी खुर्द नरेला दिल्ली निवासी गुलफाम अली के साथ हुआ था। निकाह के कुछ समय पश्चात ही गुलफाम व उसके परिजनों ने कम दहेज लाने को लेकर उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। आए दिन उसका पति गुलफाम व नफीसा बेगम, शबाना, राजुद्दीन, जेठ मोहसिन, देवर उमर, अज्जू, मयूर, नंद गुलिस्ता, नंदोई आसिफ, मुस्कान, शब्बा आदि ने छोटी-छोटी बातों पर उसका जीना-दूभर कर दिया। आए दिन उसके साथ मारपीट की जाने लगी। सायरा का आरोप है कि उसका जेठ मोहसिन, देवर मयूर और नंदोई आसिफ उसे (शेष पृष्ठ-4 पर)

गांजे के साथ तीन महिलाएं गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 पुलिस ने नशे के अवैध व्यवसाय से जुड़ी तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई महिलाएं मजदूर, रिक्शा चालकों व नशे के आदि लोगों को गांजा की बिक्री करती थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान साइट पर सेक्टर-31 की सर्विस रोड पर खड़ी तीन महिलाएं पुलिस जीप को देखकर सकपका कर जाने लगी। संदेह के आधार पर महिला उपनिरीक्षक ने तीनों महिलाओं को रोककर उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ। (शेष पृष्ठ-4 पर)

इंदिरा मार्केट की ज्वेलरी शॉप में चोरी का खुलासा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने सेक्टर-27 अट्टा मार्केट में स्थित ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी किए गए लाखों रुपए मूल्य के सोने के आभूषण तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं। ज्वेलरी शॉप में हुई चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई थी। डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि ग्राम बरौला निवासी शिवा विश्वास की अट्टा गांव की इंदिरा मार्केट में आरके ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। 6, 7 अगस्त की रात्रि को एक चोर खिड़की तोड़कर दुकान में घुस गया और चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर दुकान से सोने की तीन चन, दो मंगलसूत्र, 18 जोड़ी बाली, 7 डायमंड रिंग व 8 सोने के रिंग चोरी कर ले गया था। शिवा विश्वास की शिकायत पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। पीड़ित ने पुलिस को एक सीसीटीवी (शेष पृष्ठ-4 पर)

टप्पेबाज गैंग के बदमाशों के साथ मुठभेड़

नोएडा (चेतना मंच)। लग्जरी गाड़ियों में लिफ्ट देकर सवारियों के साथ टप्पेबाजी तथा लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले बदमाशों की थाना दनकौर पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जबकि इसके दूसरे साथी को पुलिस ने कांबिंग के दौरान दबोचा लिया। बदमाशों के पास से तमंचा, कारतूस व वारदात में प्रयुक्त एक कार बरामद हुई है।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि थाना दनकौर पुलिस बीआईसी गेट के पास चैकिंग कर रही थी। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने एक सियाज कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर कार सवार रुकने के बजाय भाग निकले। पुलिस टीम ने जब कार का पीछा किया तो कार से उतर कर दो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में लगी और वह घायल होकर गिर गया जबकि दूसरा पुलिस को चकमा देकर वहां से निकल गया। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए घायल बदमाश की पहचान विपिन यादव पुत्र (शेष पृष्ठ-4 पर)

केंद्रीय राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिकता बीएल वर्मा के जन्म दिवस के अवसर पर उनके दिल्ली स्थित आवास पर उन्हें गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सहसवान ब्लाक प्रमुख पति विक्रांत यादव।

घरों में करते थे चोरी, पुलिस के हत्थे चढ़े तो निकली चीख

नोएडा (चेतना मंच)। रेकी करने के बाद घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के दो शातिर बदमाश मुठभेड़ के बाद पुलिस के हत्थे चढ़ गए। मुठभेड़ में गोली लगने से एक बदमाश घायल भी हो गया। बदमाशों के पास से अवैध असलाह, घरों से चोरी किया गया कीमती सामान, चोरी में प्रयुक्त औजार तथा एक कार बरामद हुई है।

नोएडा जोन के डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर 24 प्रभारी विद्युत गोयल पुलिस टीम के साथ सेक्टर 35 की तरफ जाने वाले रास्ते पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। पुलिस टीम ने इस दौरान एक कार को जांच के लिए रुकने का इशारा किया लेकिन चालक तेज गति में कार को लेकर भाग निकला। पुलिस टीम ने कार का पीछा किया। खुद को चारों तरफ से घिरा देखकर कार में मौजूद लोगों ने नीचे उतर कर पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी जबकि इसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया।

डीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान जुबेर पुत्र इदरीश निवासी नई आबादी थाना दादरी के रूप में हुई। पुलिस ने कांबिंग के (शेष पृष्ठ-4 पर)

भंगेल में पात्रों को बांटे आयुष्मान कार्ड

नोएडा (चेतना मंच)। भंगेल में कई पात्रों को भारत सरकार की योजना के तहत आज आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। यहां पर कैंप लगाकर लोगों को आयुष्मान कार्ड बांटे गए।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी तथा मीडिया प्रभारी अमित त्यागी, जेपी मंडल, राकेश सिंह, राजीव उपाध्याय, जीत सिंत त्यागी, अमित कुमार त्यागी, कैप्टन नवाब सिंह, श्यामू पाठक, समाज कल्याण तथा महिला कल्याण विकलांग कल्याण विभाग एवं आपूर्ति विभाग राजस्व विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

नाले में मिला ड्राइवर का शव, घर में हुआ था झगड़ा

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र के 80 फुटा रोड के नाले में एक व्यक्ति को शव मिलने से सनसनी फैल गई। नाले में मिला शव एक ड्राईवर का बताया जाता है। शुक्रवार की सुबह किसी ने नाले में शव देखने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर आकर शव को नाले से निकाला।

थाना प्रभारी शालीमार गार्डन बृजेश कुमार ने बताया है कि प्रथम दृश्य अधिक शराब पीकर लघु शंका करने के लिए नाले के पास जाने की वजह से बैलेंस खराब हो गया जिसकी वजह से नाले में गिर गया और उससे मौत होना लगता है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

एसीईओ संजय खत्री ने किया कई सेक्टरों का दौरा

कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संविदाकार पर ठोंका 50000 का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) संजय खत्री ने आज सेक्टर-145, 148, 150 तथा एक्सप्रेसवे का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सिविल कार्यों तथा सफाई कार्यो का भी निरीक्षण किया। एक्सप्रेस-वे पर जगह-जगह जंगली घास तथा कूड़े के ढेर पाए जाने पर उन्होंने संविदाकार पर 50 हजार रूपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

संजय खत्री के साथ इस मौके पर महाप्रबंधक (सिविल) अशोक कुमार अरोड़ा, महाप्रबंधक (जनस्वास्थ्य) एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक वर्क सर्किल-10 प्रवीण सालोनिया, जन स्वास्थ्य विभाग खंड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा, समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

एसीईओ ने इस दौरान सेक्टर-148 के सामने 45 मीटर चौड़ी सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क की रिसरफेसिंग के लिए बीटुमेन कंक्रीट, क्रेक सीलिंग आगणन आदि को संशोधित आगणन प्रेषित करने के निर्देश दिए। संजय खत्री ने सेक्टर-150 में सड़क निर्माण के लिए आंकलन का स्थल निरीक्षण भी किया। उन्होंने सेक्टर-150 में आंतरिक मार्गों में जंगली घास उगने तथा जगह-जगह कूड़े के देर भी देखें। वहीं कुछ स्थानों पर सी एंड डी मलबा भी पड़ा देखा। उन्होंने इस पर नाराजगी जताते हुए लापरवाही पाए जाने पर स्वास्थ्य निरीक्षक तथा सहायक परियोजना अभियंता (द्वितीय) को स्पष्टीकरण देने के भी निर्देश दिए।

om EVER GREEN™ SWEETS
Happy रक्षाबंधन एवं स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आपके शहर में विश्वसनीय, शुद्धता एवं स्वच्छता के लिये मशहूर प्रतिष्ठान
काजू कतली, डोडा बर्फी, रसमलाई, स्पंज रसगुल्ला, पनीर, जलेबी, इमरती, सोनपापड़ी, बालूशाही, मोतीचूर लड्डू, बर्थडे केक, पेस्ट्री चॉकलेट, पेटिज, बर्गर, पिज्जा, गोलगप्पे, टिक्की, छोले भटूरे, पॉवभाजी, स्पेशल वैज थाली, समोसे, ब्रेड पकोड़ा, ढोकला इत्यादि ।
नोटः शुभ अवसरों पर कैटरिंग की भी व्यवस्था है।
Shop No. 16, Bougainvillea Shopping Complex, Sector Gamma-II (Near Gr. Noida Authority) Greater Noida Ph.: 0120-4283052 Mob.: 9210005711
ALPHA II: Shop No. 4, Satyam Shopping Complex, Sector Alpha-II Gr. Noida, Mo.: 9643692200
OMEGA II: Shop No. 1, Star Plaza Ansal Golf Link, Mob.: 9990491275, 9210080229
Sector 36: Shop No. 8, Greno City Plaza, Opp. Ivory Hospital, Sector-36, Mob.: 9811900795
CHI-V: Shop No. 39 & 40 Nimbus Express View Opp. Poorvanchal Royal City Mob. 8448818119
OMICRON 3: Shop No.1, Pulmeria Garden Shopping Complex, Mob.:8882462343
Sector 134: Shop No.1, JP Green Wish Town, Wazidpur, Noida Mob.: 9667773004, 8750355500
9210005711, 9313422939, 0120-4283052
Branch : Shop No.8, Greno Plaza, Opporite Ivory Hospital, Sec.-36, GB Nagar Mob.: 9811900795, 8882462343

पहाड़ों में प्रलय

'प्रलय' का नाम हमने सुना है। कभी कल्पना तक नहीं की। छायावाद के प्रणेता कवि जयशंकर प्रसाद का महाकाव्य 'कामायनी' जरूर पढ़ा है। उसमें प्रलय की विभीषिका के कई बिंब और एक अकेले मनुष्य का संघर्ष हमारे मानस पर अब भी अंकित है, लेकिन प्रलय के विनाश के मर्म तक हम पहुंच नहीं पाए। अलबत्ता एक कल्पना जरूर साकार होती गई। हमारे कालखंड में उत्तरकाशी के महाभूकंप और 2013 के केदारनाथ मंदिर क्षेत्र के प्रलय का साक्षी बनने का मौका जरूर मिला है और वह भी टीवी चैनलों के जरिए। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-प्रलय की आपदा आई है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भू-स्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'कुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानव-निर्मित' हैं। यह हमारा नहीं, मौसम और भूगर्भ वैज्ञानिकों का विश्लेषण है। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है। नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50,000 वर्ग हेक्टेयर में जंगलात थे, अब वहां पक्की इमारतें चिन दी गई हैं। मौजूदा उत्तरकाशी के प्रलय में धराली गांव ही बह कर मिट्टी-मलबा हो गया। राज्य के मुख्य सचिव आनंदवर्धन के मुताबिक, धराली गंगोत्री के रास्ते में मुख्य ठहराव स्थल है। आबादी मात्र 700 के करीब है। इनमें से 100 लोग लापता हैं। 150 घरों से ज्यादा वाले गांव में 50 से ज्यादा घर, 30 से ज्यादा होटल-रिजॉर्ट, करीब 25 होम स्टे तबाह हो चुके हैं। जो मंजर सामने आया है, वह प्रलय नहीं तो क्या है? 2013 का केदारनाथ मंदिर वाला प्रलय इतना विनाशकारी था कि 6000 से अधिक लोग मारे गए थे। अब प्रलय को इतना विध्वंसक नहीं माना जा रहा है, लेकिन मौत के अधिकृत आंकड़े अभी सामने आने हैं। गौरतलब यह भी है कि मौजूदा प्रलय से पहले भूस्खलन का औसत 250 था, जो 2023 तक 1600 से अधिक हो गया। इतना गुना भूस्खलन क्यों और कैसे बढ़े? पहाड़ इतनी मात्रा में क्यों टूटने लगे हैं? इस सवाल का जवाब न तो केंद्र और न ही राज्य सरकार ने दिया है। कुछ उच्चाधिकार प्राप्त समितियां जरूर बनाई जाती रही हैं, लेकिन वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के सुझावों को नकारती रही हैं। मसलन-वैज्ञानिकों के सवाल हैं कि पहाड़ों में 'फोरलेन सड़क' बनाना क्यों जरूरी है? दो लेन की सड़कें पर्याप्त और सहज हैं। ऐसे निर्माण दिखावटी विकास तो हैं, लेकिन विनाश और मौत के अंधे कुएं भी तैयार कर रहे हैं। केदारनाथ प्रलय के बाद रडार लगाने की बात सामने आई थी, ताकि बादल फटने और जल-प्रलय के पूर्व संकेत मिल सकें। उनका क्या हुआ? उत्तरकाशी प्रलय के कुछ भी संकेत क्यों नहीं मिल सके। मात्र 34 सेकंड में बहुत कुछ मलबा हो गया। हिमालयी क्षेत्र के लिए 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'जलवायु परिवर्तन' भी खतरनाक स्थितियां हैं। उनसे एक अलग स्तर पर लडऩे की जरूरत है। आपदा के लिहाज से धराली 'टाइम बम' पर बैठा माना जाता रहा है, लेकिन इसे कहीं और शिफ्ट नहीं किया गया। वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. एसपी सती का कहना है कि धराली ट्रांस हिमालय (4000 मीटर से ऊपर) में मौजूद मेन सेंट्रल थर्स्ट है। यह एक दरार होती है, जो मुख्य हिमालय को ट्रांस हिमालय से जोड़ती है। यह भूकंप का अति संवेदनशील क्षेत्र भी है। इस खतरे को समझना होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कंठ शंख के समान (उतार-चढ़ाव वाला, तीन रेखाओं से सुशोभित) है और ठोड़ी बहुत ही सुंदर है। मुख पर असंख्य कामदेवों की छटा छा रही है। दो-दो सुंदर दँतुलियाँ हैं, लाल-लाल होठ हैं। नासिका और तिलक (के सौंदर्य) का तो वर्णन ही कौन कर सकता है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुंदर श्रवन सुचारु कपोला। अति प्रिय मधुर तोतरे बोला॥
चिक्कन कच कुंचित गभुआरे। बहु प्रकार रचि मातु सँवारे॥

सुंदर कान और बहुत ही सुंदर गाल हैं। मधुर तोतले शब्द बहुत ही प्यारे लगते हैं। जन्म के समय से रखे हुए चिकने और घुँघराले बाल हैं, जिनको माता ने बहुत प्रकार से बनाकर सँवार दिया है॥

पीत झगुलिआ तनु पहिराई। जानु पानि बिचरनि मोहि भाई॥
रूप सकहिं नहिं कहि श्रुति सेषा। सो जानइ सपनेहुँ जेहिं देखा॥

शरीर पर पीली झँगुली पहनाई हुई है। उनका घुटनों और हाथों के बल चलना मुझे बहुत ही प्यारा लगता है। उनके रूप का वर्णन वेद और शेषजी भी नहीं कर सकते। उसे वही जानता है, जिसने कभी स्वप्न में भी देखा हो॥

दो0- सुख संदोह मोह पर ग्यान गिरा गोतीत।
दंपति परम प्रेम बस कर सिसुचरित पुनीत॥

जो सुख के पुंज, मोह से परे तथा ज्ञान, वाणी और इन्द्रियों से अतीत हैं, वे भगवान दशरथ-कौसल्या के अत्यन्त प्रेम के वश होकर पवित्र बाललीला करते हैं॥ (क्रमश:...)

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर दबाव की कोशिश

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है।

ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है।

भारत ने अपने बयान में अमेरीकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, 'हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया। आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।'

इन तमाम बयानों से यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि टैरिफ की यह लड़ाई लंबी खिंचने वाली है। ऐसे में समय की यह मांग कि है भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अमेरिका को एक बड़ा झटका भी देने की तरफ बड़े और यह वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए यह कह दिया है कि, वह टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रंप को कॉल नहीं करेंगे। इसकी बजाय वह भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ बातचीत करना चाहेंगे।

भारत को भी इसी तरह का सख्त स्टैंड लेते हुए बातचीत करने के लिए 25 अगस्त को आ रहे अमेरिकी अधिकारियों का दौरा रद्द कर देना चाहिए। इसी महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को सबक सिखाने की रणनीति बनाने पर काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा करते समय, चीनी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट तौर पर बता भी देना चाहिए कि ऐसे मौके का फायदा उठाकर अगर चीन की सेना ने भारत-चीन सीमा पर कोई नापाक हरकत की तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत के लिए सही मायनों में यह आपदा में अवसर का प्रतीक है और अगर हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सही तरीके से अपना दांव चला तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। **- संतोष कुमार पाठक**

हिन्दू या भगवा कभी आतंकवादी नहीं हो सकता

2004 से 2014 के मध्य पूरा भारत आतंकवाद से त्रस्त था। आये दिन होने वाले आतंकी बम धमाकों ने देश की जनता को भयभीत कर रखा था। ऐसे ही बम धमाकों की श्रृंखला में महाराष्ट्र के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए बम धमाकों में कम से कम छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 17 वर्षों के बाद मालेगांव की घटना की आम और खास लोगों में चर्चा का एक विशिष्ट प्रयोजन है। तत्कालीन केन्द्र की कांग्रेस सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण की सारी हदें पार करते हुये जहां एक ओर पाक प्रायोजित आतंकवाद पर ढुलमुल रवैया अपनाये रही वहीं दूसरी ओर मालेगांव बम विस्फोट पर हिंदू आतंकवादी का एक काल्पनिक कथानक रचकर उसे खूब प्रचारित और प्रसारित करने का प्रयास किया। बिना किसी सबूत के और बिना किसी जांच के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा अन्य हिन्दू संगठन से जुडे कई लोगों को गिरफ्तार लिया गया जिनमें साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टीनेन्ट कर्नल पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, समीर कुलकर्णी अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी और सुधाकर चतुर्वेदी प्रमुख हैं। सत्रह वर्षों बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के विशेष न्यायालय ने 31 जुलाई 2025 को सभी सातों आरोपियों को ठोस सबूतों के अभाव में दोषमुक्त घोषित करते हुए बरी कर दिया।

मुस्लिम तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करने वाले हिन्दू तथा सनातन विरोधी कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की भगवा आतंकवाद की पूरी थ्योरी न्यायपालिक के प्रथम चरण में ध्वस्त हो गई है। अब न्यायालय के निर्णय पर राजनीति होना स्वाभाविक गतिविधि है।

विशेष अदालत के फैसले ने इस तथ्य को पुन:प्रमाणित कर दिया है कि एक हिन्दू अथवा सनातनी कभी भी आतंकी नहीं हो सकता। यह फैसला बहुसंख्यक हिन्दू समाज तथा संत समाज को आनंदित करने वाला है वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाला समूचा विपक्ष आज उसी तरह से रो रहा है जिस प्रकार वे अयोध्या में बाबरी विध्वंस के समय रोये थे। यह वही मुकदमा है जिसके आधार पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने भगवा आतंकवाद का एक पूर्णत: असत्य कथानक रचा और पूरे विश्व में सनातन धर्म को अपमानित करने की कोशिश की। साध्वी प्रज्ञा सहित सभी सात आरोपियां को एक नितान्त मनगढंत आरोपों से अपनी असंबद्धता सिद्ध करने के लिये 17 वर्षों तक न केवल कानूनी लड़ाई

लड़नी पड़ी अपितु सतत् मानसिक और षारीरिक प्रताड़ना भी झेलनी पड़ी थी। एक महिला होने के नाते सर्वाधिक अत्याचार व अपमान साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 9 साल जेल में रहते हुए सहना प ?ा था।

प्रज्ञा ठाकुर का संत से संसद तक का सफर- मध्यप्रदेश की भगवाधारी महिला संत प्रज्ञा सिंह ठाकुर को महाराष्ट्र एटीएस ने गिरफ्तार कर उन्हें पर आतंकवचादी बताया था। लेकिन इन्हीं आरोपों को अवसर में बदलते हुए वह भोपाल से बीजेपी की सांसद चुनी गई। जेल में रहते हुए उन पर 10 दिनों तक अपना अपराध स्वीकार करने सहित साजिश कर्ताओं के नाम बताने के नाम पर अथाह अत्याचार किये गये जिस कारण उनका स्वास्थ्य भी बिगड गया था। किंतु प्रज्ञा ठाकुर जी ने अपना धैर्य, साहस व मनोबल नहीं खोया सभी आरोपी बराबर कहते रहे थे कि यह एक साजिश है और उन सभी को फंसाया जा रहा है। उन सभी के साहस और धैर्य ने हिन्दू-भगवा को आतंकवाद के अनर्गल आरोप से मुक्त करा दिया है।

अब आज जाकर साध्वी प्रज्ञा ठाकुर व सभी सात अन्य आरोपी पूर्ण रूप स्वतंत्र हुए हैं हालांकि अभी पीडित परिवारों के वकील का कहना है कि वह सभी लोग मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे वही कुछ मुस्लिम परस्ती की राजनीति करने वाले लोग इस मामले में जनहित याचिका भी डालने जा रहे हैं किंतु महाराष्ट्र सरकार की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि फिलहाल वह इस मामले को ऊपरी अदालत में नहीं ले जाएगी। वहीं कांग्रेस सहित मुस्लिम संगठन महाराष्ट्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कह रहे हैं कि जिस प्रकार वह त्वरित गति से मुंबई ट्रेन धमाकों के मामले को ऊपरी आदालत में लेकर चली गई इसी प्रकार उसे इस फैसले में भी करना चाहिए।

किंतु यहां पर सबसे बड़ा प्रश्न यह भी है कि इन सभी अरोपियों के जो 17 बहुमूल्य वर्ष व समय खराब हुआ है उसकी भरपाई कौन और कैसे कर पायेगा? यह जानना भी आवश्यक है कि भगवा आतंकवाद की थ्योरी का जनक आखिर है कौन और इससे किसको लाभ होने वाला था। किसने इन सभी लोगां को आरोपी बनाने की कहानियां गढ़ी क्या अब उन सभी को न्यायपालिका, जांच एजेंसियों के कठघरे में खड़ा किया जाएगा। आखिर कौन है जो हिन्दुओं व भगवा को बदनाम करने के लिए साजिषें रच रहा था और फिर सबसे विषेष मालेगांव व समझौता एक्सप्रेस जैसे बम धमाके करवाने व फिर उन सभी तमाम घटनओं में साधु -संतों को गिरफ्तार करने की साजिषें कौन रच रहा था। निष्चित रूप से उस समय कांग्रेस केंद्र की सत्ता में थी और महाराष्ट्र में कांग्रेस -एनसीपी की सरकार थी। जब यह घटना घटी थी उस समय महाराष्ट्र में एनसीपी के आर आर पाटिल गृहमंत्री थे और केंद्र में कांग्रेस के गृहमंत्री शिवराज पाटिल थे।

महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि भगवा आतंकवाद का झूठा नैरेटिव गढ़ने के लिए अब कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए। भगवा आतांकवाद की थ्योरी का जन्मदाता एनसीपी नेता शरद पवार को ही माना जा रहा है और उनकी इस नीति को गृहमंत्री शिवराज पाटिल के बाद सुशील कुमार शिंदे, मध्यप्रदेश कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह व कमलनाथ और फिर उसके बाद गृहमंत्री पी चिदम्बरम ने ही पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ाया।

कोर्ट के फैसले से साफ हो गया है कि कुछ लोगां ने अपने निजी और राजनीतिक स्वार्थ के कारण भगवा आतंकवद के झूठे मुददे को अपनी विकृत राजनीति का हथियार बनाया और पूरे हिंदू समुदाय और हिंदू धर्म को आतंकावाद से जोडने की नाकाम कोषिष की गई और अब इन सभी साजिषों की परत दर परत उखड़ने लग गई है।

इससे पूर्व समझौता एक्सप्रेस बम धमाके की साजिश रचने के आरोप में स्वामी असीमानंद महाराज भी बरी हो चुके हैं इस प्रकार यह दूसरा बड़ा अवसर है जब कांग्रेस की भगवा आतंकवाद की थ्योरी कोर्ट में ध्वस्त हे गई है।कोर्ट का फैसला आते ही हिंदू संगठनों में आनंद व उत्साह का वातावरण देखा गया तथा सभी ने पटाखे दागकर व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर विजय का उत्सव मनाया। इस मामले में तो यूपी के यशस्वी मुख्समंत्री योगी आदित्यनाथ को भी फंसाने की साजिश रची गई थी। वह तो भला हो कि इस पूरे झडे प्रकरण में सभी गवाह धीरे-धीरे मुकरते चले गये। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुआ बम धमाका एक सुनियोजित राजनैतिक साजिश का एक बहुत ही बडा और घटिया हिस्सा था जो अब धीरे-धीरे ही सही लगातार बेनकाब होता जा रहा है और सेकुलर ताकतें भी उसी प्रकार से बेनकाब होती जा रही हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आजकल हिंदू धर्म बनाम हिंदुत्व का नारा दिया है और उसकी आड़ में वह सनातन हिदू संस्कृति पर चोट पहुंचा रहे हैं। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि राहुल गांधी एक बहुत ही सुनियोजित साजिश के तहत ही हिंदू धर्म बनाम हिंदुत्व का मुददा उठा रहे थे। राहुल गांधी कई बार हिंदू विरोधी बयानबाजी कर चुके हैं। एक खोजी पत्रकारिता करने वाली संस्था विकीलिक्स में दिए इंटरव्यू में उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ की तुलना में हिंदू संगठनों को हिन्दुत्व के उभार को सबसे बड़ा खतरा बताया था। यह वही राहुल गांधी हैं जो राष्टीय स्वयंसेवक संघ की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड से कर चुके हैं। स्पष्ट है कि राहुल गांधी के नेतृत्त वाला इंडी गठबंधन पूरी तरह से हिंदू विरोधी है और सनातन के उन्मूलन में लगातार लगा रहता है लेकिन यह लोग भूल जाते हैं कि जो सनातन है वो शाश्वत भी है और कभी समाप्त नहीं हो सकता। **- मृत्युंजय दीक्षित**

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में थोड़ी सी परेशानी या बहुत अच्छा नहीं होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वयं के स्वास्थ्य और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन की चिंता सताएगी। गर्मजोशी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य बुझा-बुझा सा रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा। व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत लाभप्रद नहीं होगा। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी से बचें। अभी मनमुताबिक परिणाम नहीं आएगा। राजनीतिक स्थिति मध्यम रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें। मध्यम भाग्य का निर्माण होगा। यात्रा अभी छोड़ दें, न करें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। भावुकता पर काबू रखें।

‘सही तरीके से निवेश कर अमीर बना जा सकता है’

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। देश को विश्वगुरु बनाना और तरक्की आपके ऊपर है अगर आप अपनी अहमियत दर्शाएंगे तो तभी देश आगे बढ़ सकता है। उन्होंने ज्यादा कमाने के लिए अलग-अलग तरीके तलाशने चाहिए और कभी भी मेहनत करना बंद नहीं करना चाहिए। इन्होंने इन्वेस्टमेंट के तरीके बताए हैं। इसमें उन्होंने कहा है कि सही तरीके से निवेश करके अमीर बना जा सकता है। यह बात ग्रेनो के शारदा विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में फेमस इंटरनेट आंत्रप्रेन्योर और देश के शीर्ष कंटेंट क्रिएटर्स, मोटिवेशनल स्पीकर अंकुर वारिकू ने कही। सोशल मीडिया पर इनके लगभग 15 मिलियन फॉलोअर्स है। इस दौरान छात्रों के सवालों के जवाब दिए।

कार्यक्रम में छात्रों से उन्होंने बताया कि अमेरिका में पीएचडी प्रोग्राम छोड़ने के बाद, उन्होंने आईएसबी से एमबीए किया और कंसल्टिंग के क्षेत्र में अपनी तरक्की की शुरुआत की।

उन्होंने कमाई के साथ निवेश की रणनीति क्या होनी चाहिए और निवेश के बारे में कैसे सोचना चाहिए। कई लोग अपनी इनकम के साथ पैसिव होते हैं। बस नौकरी करना, थक जाना और सैलरी पर ही संतुष्ट हो जाना।

वहीं अन्य लोग अपने निवेश के साथ काफी एक्टिव होते हैं। वे लगातार स्टॉक पर नजर रखते हैं, ट्रेडिंग करते हैं और जोखिम भरे वेंचर्स की खोज करते हैं। सोशल मीडिया पर ये ग्रोथ देखकर हर कोई हैरान है। जहां भारत में लाखों लोग सैलरी में एक डिजिट बढ़ाने में उम्र गुजार देते हैं, वहीं ये ग्रोथ अविश्वसनीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जहां दूसरों ने उन पर दांव लगाया, वहीं उन्होंने कड़ी मेहनत और कृतज्ञता के साथ अपना योगदान दिया। जब कोई आप पर दांव लगाता है, तो सबसे अच्छा यही होगा कि आप खुद पर भी दांव लगाएं।

जीवन में पैसों की अहमियत पर विचार करते हुए वारिकू ने इसके वास्तविक उद्देश्य पर जोर दिया। उन्होंने कहा पैसों का उद्देश्य स्थिरता खरीदना है। खुशी, विकास, चीजें और स्टेटस खरीदने नहीं। पैसों से प्रदान की जाने वाली लका गुलाम बनने के बजाय बल्कि इससे आने वाली स्थिरता के लिए इसका सम्मान करना चाहिए।

इस दौरान विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ सिबाराम खारा, प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद, डॉ राजीव गुप्ता, डॉ आरसी सिंह, डॉ अन्विति गुप्ता समेत विभिन्न विभागों के डीन,एचओडी और स्टाफ मौजूद रहा।

सिरसा के प्राथमिक विद्यालय में चार कमरों के ध्वस्तीकरण कार्य की शुरुआत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

भारतीय किसान यूनियन (अराजवितिक) के राष्ट्रीय सचिव चौधरी प्रकाश प्रधान एवं संगठन के ग्राम सिरसा पदाधिकारियों की उपस्थिति में गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसा में चार कमरों के ध्वस्तीकरण कार्य की शुरुआत की गई।

विद्यालय की संस्था प्रमुख श्रीमती पूनम सक्सेना, समस्त स्टाफ एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में यह कार्य आरंभ हुआ।

विद्यालय के चार कमरों के ध्वस्तीकरण एवं मलबा नीलामी का ठेका 1,93,900 रुपये में शाहिद पुत्र अनवार फौजी, निवासी ग्राम कलौंदा, को प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान चौधरी प्रकाश प्रधान ने कहा कि ग्राम के विकास में किसी भी मुद्दे को अनदेखा नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिसर में अभी चार कमरे, दो किचन सेट रूम और एक बाथरूम खराब स्थिति में हैं, जिन्हें जल्द ही ध्वस्त कर नए निर्माण के लिए प्रस्तावित किया जाएगा।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा सेवाएँ, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे, के द्वारा रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी(एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022 के अनुसार, **दिल्ली मंडल में पार्किंग कम मैनिज्मन्ट और स्टाककइंग पार्सल नई दिल्ली** रेलवे स्टेशन (अजमेरी गेट साइड, NE-1) (कुल क्षेत्र 2191.87 वर्ग मीटर) के प्रबंधन और संचालन हेतु आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल में ई–नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियों के द्वारा दो (02) वर्ष के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण इस प्रकार है:

क्रम संख्या	ई–नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	संसाधन जिनकी नीलामी की जानी है:
1.	20.08.2025 को प्रातः 13:30 बजे	पार्किंग कम मैनिज्मन्ट और स्टाककइंग पार्सल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (अजमेरी गेट साइड, NE-1) (कुल क्षेत्र 2191.87 वर्ग मीटर) के प्रबंधन और संचालन हेतु आई.आर.ई.पी.एस. पोर्टल में ई–नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियों के द्वारा दो (02) वर्ष के लिये निविदा आमंत्रित

महत्वपूर्ण सूचना: 1. ई–नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning_centre.html. (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है। **2. धरोहर राशि जमा (ईएमडी):** नीलामी के दौरान कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 10% ऑनलाइन जमा किया जाना है। सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। **3.** रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन अनुबंधों को शीघ्र समाप्त करने और/या स्थितियों के आधार पर संशोधित/अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन अनुबंधों को बंद करने/जारी रखने के संबंध में कोई भी निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। **2396/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हर घर तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा से मुलाकात करते भाजपा ग्रेटर नोएडा मण्डल के उपाध्यक्ष कपिल भाटी।

अगस्त क्रांति के अवसर पर दादरी तहसील में बढ़ते भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन

दादरी (चेतना मंच)। दादरी तहसील में किसानों व गरीबों के साथ अधिकारियों एवं कर्मचारीयों के द्वारा किए जा रहें भ्रष्टाचार, अत्याचार, शोषण एवं दुर्व्यवहार के विरोध में करप्शन फ्री इंडिया संगठन के जिला अध्यक्ष प्रेम प्रधान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हल्ला बोल प्रदर्शन करतें हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित पत्र उप जिलाधिकारी अनुज नेहरा को सौंपा।

करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय एवं मास्टर दिनेश नागर ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर की दादरी तहसील में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार, शोषण, अत्याचार एवं अधिकारियों के दुर्व्यवहार से स्थानीय किसानों का लगातार शोषण किया जा रहा है। चौधरी प्रवीण भारतीय ने कहा कि अधिकारियों के इस भ्रष्टाचार व शोषण के विरोध में क्रांतिकारी शहीद राजा राव उमराव भाटी एवं संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर जीटी रोड से होते हुए करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकर्ताओं ने तहसील पहुंचकर प्रदर्शन किया।

प्रवीण भारतीय ने बताया कि किसान अपनी पैमाइश, कूरेबंदी, दाखिल खारिज व अन्य कार्यों को कराने हेतु पिछले कई कई महीनो से तहसील के चक्कर काट कर थक जाते हैं। इसके बाद तहसील में तैनात कर्मचारियों के द्वारा रिश्वत की मांग की जाती है। प्रवीण भारतीय ने कहा कि अगस्त क्रांति के अवसर पर तहसीलों में बढ़ते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ करप्शन फ्री इंडिया संगठन मोर्चा खोल रखा। उन्होंने कहा किसी भी दफ्तर में भ्रष्टाचार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिसके लिए गुरुवार को दादरी तहसील में ज्ञापन एसडीएम अनुज नेहरा व तहसीलदार अजय कुमार को सौंपा।

इस दौरान आलोक नागर, दिनेश नागर, प्रेमराज भाटी, प्रेम प्रधान, राजकुमार रूपबास कुलबीर भाटी, राकेश नागर, गौरव भाटी, हरीश भाटी, यतेंद्र नागर, जीतू, नरेश भाटी, रोहताश नागर, सुशील प्रधान, मोहित, बसंत भाटी, धीरसिंह भाटी, दुलीचंद नागर, विजय प्रधान, ऋषि बंसल,मलखान सिंह यादव, रणधीर नागर, नवीन भाटी, राजकुमार, नीरज भाटी, बाबू गौतम, आदेश टाईगर जयंती प्रसाद अमित मुखियाआदि लोग मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा–1 (पी–2), ग्रेटर नौएडा
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख/तह./MKS/20/2025 — दिनांक : 31.07.2025

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपसी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है। क्रय हेतु काश्तकार, गाटा संख्या, क्षेत्रफल व काश्तकार का हिस्सा निम्नलिखित तालिका में अंकित है–

(ग्राम भुन्नातगा से०-11 के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
1.	68	115स 120 129स 133 140 170स	0.0290 2.3300 0.0130 0.2500 0.9470 0.4280	में से	0.0024 0.1942 0.0011 0.0208 0.0789 0.0357 **0.3331**	अतुल शर्मा पुत्र जुगेन्द्र नि० भुन्नातगा
2.	68	115स 120 129स 133 140 170स	0.0290 2.3300 0.0130 0.2500 0.9470 0.4280	में से	0.0024 0.1942 0.0011 0.0208 0.0789 0.0357 **0.3331**	कौशल शर्मा पुत्र जुगेन्द्र नि० भुन्नातगा
3.	68	115स 120 129स 133 140 170स	0.0290 2.3300 0.0130 0.2500 0.9470 0.4280	में से	0.0024 0.1942 0.0011 0.0209 0.0789 0.0357 **0.3332**	कपिल कुमार शर्मा पुत्र जुगेन्द्र नि० भुन्नातगा
4.	68	115स 120 129स 133 140 170स	0.0290 2.3300 0.0130 0.2500 0.9470 0.4280	में से	0.0025 0.1941 0.0010 0.0209 0.0789 0.0356 **0.3330**	मिथलेश पत्नी जुगेन्द्र नि० भुन्नातगा
5.	149 149 191	117 118 193	0.0240 0.0380 2.9290	में से	0.0020 0.0032 0.4882	राजकुमार शर्मा पुत्र जग्गनलाल नि० भुन्नागता54
6.	149 149 126 182 148 229 167	117 118 144/6 144/8 144/1 144/5 144/9	0.0240 0.0380 0.1010 0.3620 1.2520 1.3850 0.0330	में से	0.0003 0.0004 0.0190 0.0151 0.1565 0.1154 0.0007	ब्रजपाल पुत्र महीपाल नि० भुन्नागता
7.	113	188/3	1.7840	में से	0.1265	प्रखर राय त्यागी पुत्र योगेन्द्र कुमार त्यागी नि० उटरावली
8.	237 113 130 130 04	188स 188/3 149 150 163	0.1370 1.7840 0.0250 0.0250 2.5900	में से	0.0114 0.0317 0.0005 0.0005 0.1079	प्रवीन कुमर पुत्र राजवीर शर्मा नि० के 92 कृष्णा गली मौजपुर भजनपुरा नोर्थ दिल्ली
9.	113 237 130 130 04	188/3 188स 149 150 163	1.7840 0.1370 0.0250 0.0250 2.5900	में से	0.0105 0.0114 0.0006 0.0006 0.1079	चन्द्रवती पत्नी राजवीर शर्मा नि० के 92 कृष्णा गली मौजपुर भजनपुरा नोर्थ दिल्ली
10.	113 237 130 130 04	188/3 188स 149 150 163	1.7840 0.1370 0.0250 0.0250 2.5900	में से	0.0106 0.0114 0.0005 0.0005 0.1079	जयवीर शर्मा पुत्र राजवीर शर्मा नि० के 92 कृष्णा गली मौजपुर भजनपुरा नोर्थ दिल्ली
11.	177	185	0.9320	में से	0.0922	जतिन गर्ग पुत्र महेशचन्द नि० रबूपुरा
12.	182	144/8	0.3620	में से	0.0603	पंकज शर्मा पत्नी लोकेश शर्मा नि० नोएडा
13.	196	182	0.9490	में से	0.4745	लाल सिंह पुत्र केसरी नि० भुन्नातगा
14.	196	182	0.9490	में से	0.1732	विशाल पुत्र सतीशचन्द नि० भुन्नातगा
15.	224	181	0.5140	में से	0.5140	सतीश चन्द पुत्र चन्दर सिंह नि० भुन्नातगा
16.	196	182	0.9490	में से	0.2373	अतुल कुमार पुत्र सतीशचन्द नि० भुन्नातगा
17.	177	185	0.9320		0.0288	
18.	63 126 125 182 148 299 167 149 149	174 144/6 144/7स 144/8 144/1 144/5 144/9 117 118	1.6680 0.1010 0.2560 0.3620 1.2520 1.3850 0.0330 0.0240 0.0380	में से	0.1043 0.0190 0.0640 0.0151 0.1565 0.1154 0.0007 0.0002 0.0004	बिजेन्द्र पुत्र महीपाल नि० भुन्नातगा
19.	177	185	0.9320	में से	0.1265	पवन कुमार पुत्र रणधीर नि० 7एच विक्रान्त अपार्टमेंट सै–13 रोहिणी–दिल्ली

(ग्राम भुन्नातगा से०-33 के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
20.	20	378	1.7690	में से	0.0632	कमलेश पत्नी ज्ञानचन्द शर्मा नि० मुकीमपुर शिवारा
21.	70	469	0.4900	में से	0.2450	देशराज पुत्र हरि सिंह नि० गाजियाबाद
22.	02	474/2	0.0500	में से	0.0056	उर्मिला देवी पत्नी केहर सिंह व अशोक सिंह पुत्र केहर सिंह नि० भुन्नागता
23.	119	496	0.3800	में से	0.1057	कार्तिक तेवतिया पुत्र पवन कुमार नि० 7एच विक्रान्त अपार्टमेंट सै–13 रोहिणी–दिल्ली

(ग्राम भुन्नातगा से०-34 के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
24.	98	462	0.9860	में से	0.1265	शिखर त्यागी पुत्र योगेन्द्र त्यागी नि० उटरावली

(ग्राम मुरादगढ़ी के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
25.	212	434	0.0890	में से	0.0030	दलीप सिंह पुत्र किशन प्रताप सिंह नि० हाउस नं० 39 निकट राजपूत धर्माशाला पर्वतीय कालोनी पार्ट फरीदाबाद
26.	94 169	430 431 433	0.2660 0.1900 0.2280	में से	0.0444 0.0316 0.0380	सुनीता देवी पत्नी सतीश नि० मौ० शान्ती नगर कस्बा रबूपुरा
27.	94 169	430 431 433	0.2660 0.1900 0.2280	में से	0.0443 0.0317 0.0380	सुनीता जैन पत्नी चन्द्रप्रकाश जैन नि० मौ० म० नं० 66-1 शहीद नगर कस्बा रबूपुरा

(ग्राम उटरावली के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
28.	499	917	1.8790	में से	0.2349	जितेन्द्र नाथ अवस्थी पुत्र ओंकार नाथ अवस्थी नि० ग्राम भाईपुर ब्रहमनान
29.	499	917	1.8790	में से	0.2349	जयप्रकाश गुप्ता पुत्र दौलतराम गुप्ता नि० ग्राम भाईपुर ब्रहमनान

(ग्राम रबूपुरा, फिल्म सिटी, सै०-21 के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
30.	676	1328	0.8560	में से	0.1070	नितिन पुत्र नेत्रपाल नि० रबूपुरा
31.	676	1328	0.8560	में से	0.1070	नरेन्द्र पुत्र नेत्रपाल नि० रबूपुरा
32.	676	1328	0.8560	में से	0.1069	विवेक पुत्र नेत्रपाल नि० रबूपुरा
33.	676	1328	0.8560	में से	0.1069	सुरेन्द्र पुत्र नेत्रपाल नि० रबूपुरा
34.	48	282	0.5310	में से	0.5310	अशोक कुमार पुत्र मुरारीलाल नि० रबूपुरा
35.	383 653 355 383 382 382	1380 1010 1308 1324 1315 1326	1.8050 0.5710 0.3540 0.7020 0.0950 0.2640	में से	0.6017 0.0951 0.0590 0.2340 0.0317 0.0880	दरोगा शर्मा पुत्र हीरालाल नि० रबूपुरा
36.	383 653 355 383 382 382	1380 1010 1308 1324 1315 1326	1.8050 0.5710 0.3540 0.7020 0.0950 0.2640	में से	0.6017 0.0952 0.0540 0.2340 0.0316 0.0880	कालीचरण पुत्र हीरालाल नि० रबूपुरा
37.	1179	766	2.4250	में से	0.2813	सुमन कुमार पुत्र महेशचन्द नि० रबूपुरा
38.	1196 1182	680 679	0.5560 1.3180	में से	0.0123 0.0879	विदिया व सुरेन्द्र पत्नी व पुत्र शंकर नि० रबूपुरा

(ग्राम रबूपुरा, सै०-11 के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
39.	1173	2007	0.8480	में से	0.1413	कुशलपाल पुत्र रामपाल मौहम्मदपुर जादो
40.	1173	2007	0.8480	में से	0.1413	कृष्णापाल पुत्र रामपाल मौहम्मदपुर जादो
41.	840	1999	1.8430	में से	0.1152	सुनीत शर्मा पुत्र सतीश शर्मा नि० भुन्नातगा
42.	840	1999	1.8430	में से	0.1152	उषा पत्नी सतीश शर्मा नि० भुन्नातगा
43.	950	2000/2	0.2020	सम्पूर्ण	0.2020	शिवराज पुत्र हुलासी नि० भुन्नातगा
44.	1116	2001	2.9340	में से	0.3668	सुन्दरलाल पुत्र रोशनलाल नि० भुन्नातगा
45.	369	2021	0.9690	में से	0.3230	प्रथम पुत्र धर्मीन्देर नि० दिल्ली

(ग्राम रबूपुरा सैक्टर-28, मेडिकल डिवाईस पार्क, डाटा सेन्टर पार्क, कॉमर्शियल व फ्यूचर यूज के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
46.	1050	1087	4.6780	में से	0.6822	वसीम पुत्र महमूद नि० रबूपुरा

(रबूपुरा, सैक्टर-21 व 34 के मध्य 100 मी० चौड़ी सड़क के अन्तर्गत)

क्रम सं	खाता संख्या	खसरा संख्या	गाटे का कुल क्षेत्रफल (हे० में)	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का भाग	तहसील की आख्यानुसार काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का नाम
47.	225	184	0.9350	में से	0.0850	ममता देवी पत्नी नरेश कुमार नि० निलौनी शहापुर

प्रस्तावित भूमि प्राधिकरण के नियोजित सै० यथा 11, 13, 21, 28, 33, 34 के अन्तर्गत होने के कारण क्रय हेतु प्रस्तावित है।

- उक्त भूमि को क्रय करने हेतु तालिका में अंकित काश्तकारों द्वारा सहमति प्रदान की गई है जिसके क्रम में प्राधिकरण द्वारा उक्त भूमि आपसी सहमति के आधार पर क्रय की जानी प्रस्तावित है।
- प्रस्तावित भूमि को प्राधिकरण की 84वीं बोर्ड बैठक की मद संख्या 03 के अनुसार रुपये 3808/प्रति वर्ग मी० की दर से सम्बन्धित भूस्वामी के पक्ष में भुगतान किया जाएगा व 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड आवंटित किया जाएगा।

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिवस के अन्दर यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के कार्यालय/सी०आर० सैल में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

विशेष कार्याधिकारी

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लान के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की खरीदफ़रोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

एमिटी के प्रो. हृदयेश ने टीबी उपचार के लिए आविष्कार की नई चिकित्सा पद्धति

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी सेंटर फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च के उप निदेशक, प्रो. हृदयेश प्रकाश ने आईसीएमआर, एनजेएलओएमडी आगरा और एम्स के साथ मिलकर क्षय रोग (टीबी), विशेष रूप से बहुऔषधी प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) से निपटने के लिए एक अग्रणी चिकित्सा पद्धति का अविष्कार किया है। उन्होंने क्षय रोग के नियंत्रण के लिए टीबी-विशिष्ट न्यूट्रास्युटिकल विकसित किया है, जो देश में अपनी तरह का प्रथम है और जिसे नियामक निकायों द्वारा आधिकारिक रूप से अनुमोदित किया गया है।

अपने नवाचार के संदर्भ में बताते हुए, प्रो. हृदयेश प्रकाश ने बताया कि एटीएलएस-पीए 2021, जिसमें दो अणु एल-सेरीन और पामिटॉयल को-ए शामिल हैं, दो अलग-अलग समय पर दिए जाते हैं, एक अभिनव क्षय रोग-रोधी सहायक चिकित्सा है जिसे विशेष रूप से बहुऔषधी प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) के संदर्भ में मौजूदा क्षय रोग-रोधी दवाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एटीएलएस-पीए 2021 एक स्फिंगोलिपिड मिमिक है जो सीधे माइकोबैक्टीरिया को मारता है, नाइट्रिक ऑक्साइड उत्पन्न करता है और हाइपोक्सिया जैसी प्रतिक्रिया को ठीक करता है जो माइकोबैक्टीरिया को प्रभावी ढंग से मारने और फेफड़ों से उनके निष्कासन के लिए महत्वपूर्ण हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि एटीएलएस/पीए2021, एमडीआर टीबी को पारंपरिक टीबी-रोधी दवाओं के प्रति संवेदनशील बनाता है।

प्रो प्रकाश ने इस बात पर जोर दिया कि एटीएलएस-पीए 2021 का पेटेंट कराया गया है और टीबी नवाचार शिखर सम्मेलनों में इसे एक आशाजनक मेजबान-निर्देशित चिकित्सा के रूप में प्रदर्शित किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य चरण ।एंव ।। परीक्षणों में टीबी रोगियों में थूक रूपांतरण दर में सुधार और इलाज दर को कम करने की इसकी क्षमता का परीक्षण करना है, जो उनकी टीम अभी कर रही है।

एक मजबूत वैज्ञानिक आधार और एमडीआर-टीबी के बेहतर उपचार की सख्त आवश्यकता के साथ, एटीएलएस-पीए 2021 एक सुरक्षित, प्रभावी और नवीन सहायक चिकित्सा का प्रतिनिधित्व करता है, जो न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर भी बेहतर टीबी नियंत्रण और प्रबंधन का मार्ग प्रशस्त करता है। इय अविष्कार से टीबी के इलाज में इस सफलता से टीबी के खिलाफ लड़ाई में क्रांति आने की संभावना है, जो न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में मरीजों के लिए नई उम्मीद जगाएगी। टीम को टीबी रोगियों के समूह के साथ बहु-केंद्रित नैदानिक परीक्षण/ अध्ययन और टीबी के लिए स्टार्टअप स्थापित करने के लिए सीडीएससीओ से जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

नोएडा को रेबीज मुक्त बनाने के लिए अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा को रेबीज मुक्त बनाने के लिए एक बड़ा अभियान छेड़ा है। नोएडा प्राधिकरण, फोनरवा और हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स के संयुक्त प्रयास से नि:शुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत शहर में घूम रहे अवारा डॉग को नि:शुल्क एंटी रेबीज का टीका लगाया जा रहा है।

नोएडा को रेबीज-मुक्त तथा इंसानों और पशुओं दोनों के लिए एक सुरक्षित शहर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। नोएडा प्राधिकरण और फोनरवा के सहयोग से हाउस ऑफ स्ट्रे एनिमल्स द्वारा संचालित शिवालय एनिमल वेलनेस सेंटर, सेक्टर-135 के माध्यम से पूरे नोएडा में नि:शुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत आवारा (कम्युनिटी) कुत्ते, RWA द्वारा प्रबंधित आवासीय परिसर, बाजार क्षेत्र एवं सार्वजनिक स्थल तथा नोएडा के ग्राम एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान प्रशिक्षित वेटरनरी टीम द्वारा प्रत्येक कुत्ते को रेबीज रोधी टीका लगाया जाएगा और एक विशेष वैक्सीनेशन रिपोर्ट कार्ड किया जाएगा, जिसमें टीकाकरण की तिथि अंकित होगी। इससे आगामी बूस्टर डोज़ की योजना बनाना आसान होगा और रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए नोएडा की सभी आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन, ग्राम पंचायतें और शैक्षणिक संस्थानों से अपील की गई है कि वे अपने क्षेत्र में टीकाकरण शिविर आयोजित करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 9818048398 पर बुकिंग कराएं।

फोनरवा के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और महासचिव के.के. जैन ने कहा इस अभियान से कुत्तों के काटने से होने वाली बीमारियों और परेशानियां से प्रभावित बचाव होगा।

ओएसडी गुंजा सिंह ने सैनी गांव का किया औचक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर सेक्टरों व गांवों में साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्राधिकरण की तरफ से निवासियों को जागरूक करने, कू?ा फैलाने वालों के साथ ही जुर्माना लगाने की कार्रवाई जारी है। बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट की प्रभारी और ओएसडी गुंजा सिंह ने सहायक प्रबंधक गौरव बघेल व स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ सैनी गांव का औचक निरीक्षण किया। ग्रामवासियों से नियमित सफाई पर फीडबैक लिया।

गंदगी दिखने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को और कान्ट्रैक्टर को फटकार लगाई। उन्होंने गांवों में सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों और कान्ट्रैक्टरों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। ओएसडी गुंजा सिंह ने औचक निरीक्षण अभियान जारी रहने की बात कही है।

कूड़े से मिला सबूत, फेंकने वाले पर 1.30 लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में रोड के किनारे या फिर सार्वजनिक स्थानों पर इधर-उधर कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ प्राधिकरण की कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग ने ज्यू-3 की रोड के किनारे पड़े कूड़े में से फेंकने वाले का सबूत निकालकर उस पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक आरके भारती ने बताया कि स्वास्थ्य निरीक्षक नीरज सिंह अपनी टीम के साथ ज्यू-3 में सफाई व्यवस्था का जायजा ले रहे थे। इस बीच ज्यू-3 की रोड के किनारे कूड़े का ढेर दिखा। टीम ने कूड़े में से पर्ची निकाला, जिसमें सेक्टर ईकोटेक-1 एक्सटेंशन स्थित डीएफएम फूड्स के नाम की पर्ची निकली। इसका फोटो और वीडियो भी बनाया गया। इसके बाद टीम ने मौके पर जाकर जानकारी जुटाई, जिससे स्पष्ट पता चल गया कि इसी कंपनी के द्वारा वहां कूड़ा फेंका जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम की तरफ से डीएफएम कंपनी पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। दोबारा कूड़ा फेंकने पर और कड़ी कार्रवाई के चेतावनी दी गई है। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने स्पष्ट कहा है कि ग्रेटर नोएडा में गंदगी फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। ऐसे लोगों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने ग्रेटर नोएडावासियों से शहर को स्वच्छ बनाने में प्राधिकरण का सहयोग करने की अपील की है।

बिसरख, कासना और ग्रेटर नोएडा में खाद्य विभाग का छापा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आगामी रक्षाबंधन पर्व के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी सैयद इबादुल्लाह, विशाल कुमार गुप्ता एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा इटहरा स्थित बादशाही पनीर से खोया का 1 नमूना, बिसरख स्थित बृंदावन रेस्टोरेंट से पनीर का 01 नमूना तथा ग्रेटर नोएडा वेस्ट जिया ट्रेडर्स से सरसों के तेल का 1 नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, रविंद्र नाथ वर्मा एवं मालती की टीम द्वारा सिकंदराबाद कासना स्थित आंशिक स्वीट्स से कलाकंद का 01 नमूना , कासना स्थित पंजाब स्वीट्स से छेना रसगुल्ला का 1 नमूना लिया गया। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेंद्र कुमार पांडेय, ओ पी सिंह एवं विजय बहादुर पटेल की तीसरी टीम द्वारा कंचनजंगा मार्केट सेक्टर 53 नोएडा स्थित रमन स्टोर से घी का 01 नमूना एवं कुंडली बांगर सेक्टर 150 स्थित ब्लिंकिट स्टोर से 01 डोडा बर्फी व 01 बेसन का नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल 8 नमूना लेकर प्रयोगशाला प्रेषित किए जा रहे हैं।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को आगामी रक्षाबंधन पर्व के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

पृष्ठ एक के शेष....

ससुराल में विवाहिता...

अकेला पाकर उसके साथ अश्लील और गंदी हरकतें करने लगे। एक बार उसके जेठ मोहसिन ने तमाम हदों को पार करते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए और बलात्कार करने की कोशिश की। उसने जब इसकी शिकायत अपने पति गुलफाम और सास नफीस से की तो उन लोगों ने उसकी बात पर यकीन नहीं किया और उसके चरित्र पर ही लांछन लगाते हुए उसके साथ मारपीट की। उसने ससुराल वालों की करतूत अपने परिजनों को बताई जिसके बाद परिजन उसे मायके ले आए। कुछ समय मायके में रहने के बाद ससुराल वाले उसे अपने साथ लेकर चले गए। 3 जुलाई 2024 को उसके पति और सास ने उसके साथ मारपीट की अगले दिन सुबह के समय दोबारा फिर उसके साथ मारपीट की गई। उसने अपने मायके वालों को फोन कर घटना की जानकारी दी जिसके बाद वह एक बार फिर अपने मायके चली आई। पीड़िता के मुताबिक उसने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के लिए थाना बीटा-2 में तहरीर दी लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद सायरा ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र सुनवाई करने के पश्चात पुलिस को आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए।

गांजे के साथ तीन...

पूछताछ में महिलाओं ने अपने नाम सीमा पत्नी नौरंग, उर्मिला पत्नी शेर सिंह तथा गीता पत्नी प्रकाश बताये। महिलाओं ने बताया कि वह गांजे की छोटी-छोटी पुड़ियां बनाकर उन्हें नशे के आदि लोगों को बेचते हैं वह पिछले काफी समय से गांजे की बिक्री में संलिप्त हैं। पुलिस ने तीनों महिलाओं के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय पेश किया है।

इंदिरा मार्केट की...

फुटेज भी उपलब्ध कराई। डीसीपी ने बताया कि थाना सेक्टर-20 पुलिस बीती रात्रि गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि आरके ज्वैलर्स में चोरी की घटना को सुंदर नाम के व्यक्ति ने अंजाम दिया है। सुंदर चोरी के सामान के साथ सेक्टर-27 के तिकोनिया पार्क के पास बने शौचालय के पास खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापा मारकर सुंदर को दबोच लिया। तलाशी में सुंदर के पास से तमंचा, कारतूस व ज्वेलरी शॉप से चोरी की गई 14 सोने की अंगूठियां, 14 जोड़ी सोने के कान की बालियां, तीन सोने की चेन, दो सोने के काले मोती लगे मंगलसूत्र बरामद हुए। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से करीब 16 लाख रुपए मूल्य की जूलरी बरामद हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई पर ज्वेलरी शॉप मलिक व अन्य दुकानदारों ने आभार व्यक्त करते हुए पुलिस टीम की सराहना की है।

टप्पेबाज गैंग के ...

यशवंत यादव जनपद आगरा के रूप में हुई। पुलिस ने उसके साथी विवेक शर्मा निवासी जनपद भिंड को कांबिंग के दौरान दबोच लिया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। बदमाशों के पास से दो तमंचे, कारतूस, बिना नंबर की एक मारुति सियाज कार बरामद हुई।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश शातिर टप्पेबाज है और नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में टप्पेबाजी व लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाश खुद को डाक, पार्सल कोरियर आदि कंपनी का कर्मचारी बता कर राहगिरो को अपनी कार में बैठा लेते थे। रास्ते में अपने अधिकारियों की चेकिंग होने की बात कह कर यह लोग सवारियों से पैसे व मूल्यवान सामान लिफाफे में रखवा लेते थे और मौका पाकर उस लिफाफे को बदल देते थे। शक होने पर यदि कोई व्यक्ति विरोध करता था तो यह तमंचा दिखाकर उसे लूटने के बाद हाईवे या सुनसान जगह पर फेंक कर फरार हो जाते थे। पकड़े गए बदमाशों ने टप्पेबाजी की कई घटनाओ को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पार्किंग विवाद में...

वारदात इतनी तेज़ी से हुई कि आसपास के लोग संभल भी नहीं पाए. खून बहने से आसिफ मौके पर ही गिर पड़े. पत्नी और पड़ोसियों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आसिफ के भाई जावेद ने बताया कि रात करीब साढ़े दस बजे भाभी का फोन आया कि आसिफ पर हमला हो गया है और हालत बहुत खराब है. मैं तुरंत अपनी दुकान छोड़कर दौड़कर घर पहुंचा. लेकिन जब तक पहुंचा, वह खत्म हो चुके थे। झगड़ा सिर्फ पार्किंग की बात पर हुआ था, लेकिन हमलावर पहले भी उनसे दो-तीन बार इसी बात पर भिड़ चुके थे। जावेद ने यह भी कहा कि पहले की झड़पों में उन्होंने पुलिस में शिकायत नहीं की थी, ताकि मामला न बढ़े। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नाले में मिला ड्राईवर...

सही जानकारी पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मिलेगी। मृतक की पहचान सुनील कुमार के रूप में हुई है जो कि विक्रम एन्क्लेव का रहने वाला था। सुनील कुमार के पिताजी दिल्ली पुलिस में कार्यरत थे। परिवार का कहना है कि सुनील कल सुबह ड्यूटी के लिए घर से निकला था। सुनील कुमार 2 दिन पूर्व गाड़ी चलाकर आया था तो पत्नी से कुछ कहासुनी हो गई और यह वापस चला गया था। उसकी जेब से मोबाइल फोन एक शराब का पौव्वा मिला है।

घरों में करते थे...

दौरान जुबेर के दूसरे साथी मशील पुत्र नसीबुल निवासी बिहार को भी दबोच लिया। पकड़े गए दोनों बदमाश हाल में नोएडा के सेक्टर 122 के जनता फ्लैट में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि बदमाशों के पास से अवैध असलाह, घरों से चोरी किए गए जेवरात, नगदी, कैमरे घड़ियां पीतल के बर्तन सहित अन्य कीमती सामान, चोरी करने में प्रयुक्त होने वाले औजार तथा एक कार भी बरामद हुई है। बरामद कार का प्रयोग बदमाश चोरी की वारदातों को अंजाम देने के लिए करते थे। पुलिस इनके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

उप्र युवा व्यापार मंडल का सम्मेलन 10 अगस्त को

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश प्रभारी कपिल सबरवाल ने बताया कि रविवार को कानपुर में व्यापारी सम्मेलन का आयोजन भव्य रूप में मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश सचान रहेंगे।

उत्तर प्रदेश में व्यापारी सेवा के लिए समर्पित उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन को व्यापारी सम्मान सेवा 2025 का पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

कपिल सभरवाल ने बताया कि विकास जैन ने पिछले पाँच वर्षों में व्यापारी सेवा मे लगकर व्यापारियों के हौसले बुलंद किए हैं। अब व्यापारी प्रशासन और शासन के सामने डरता नहीं है मज़बूती से अपनी बात रखता है।

रविवार को प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन के साथ साथ प्रदेश चेयरमैन नवनियुक्त गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल प्रवीन गर्ग प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्तिसिंह प्रदेश सचिव मनीष शर्मा शिवा चौहान आगरा से अध्यक्ष मानक शंकर व अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

महिला से गाली गलौज, विरोध करने पर पति को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी के मोहल्ला मेवातियान में घरेलू कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाली महिला के साथ दो युवकों ने गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार किया। महिला के पति ने जब इस बात का विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने अपने भाइयों के साथ मिलकर उसे मारपीट कर घायल कर दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मेवातियान मोहल्ला निवासी हिना ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 2 अगस्त को अपने चाचा ससुर के घर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए गई थी। यहां पर जाकिर व शकीरा ने बेवजह उसके साथ गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार शुरू कर दिया। उसने इस बात की जानकारी अपने पति आसिफ को दी। आसिफ ने जाकर शकीरा से गाली-गलौज में अभद्र व्यवहार किए जाने का कारण पूछा तो उन्होंने अपने भाइयों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। मारपीट में आसिफ के सिर में गहरी चोटें आई। पीड़िता के मुताबिक इस घटना के बाद हारून व चांद उसे धमकी दे रहे हैं कि या तो वह इस मामले में समझौता कर ले नहीं तो यह उनके लिए अच्छा नहीं होगा। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

बीसीसीआई को आरटीआई के दायरे में नहीं लाया जाएगा

● मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड एक निजी संस्था है, यह सरकार से किसी तरह का फंड नहीं लेती है। बीसीसीआई अब भी आरटीआई के दायरे में नहीं आएगा। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल में संशोधन किया है। इसके अनुसार, अब केवल उन्हीं खेल संगठनों को इसके दायरे में लाया गया है, जो सरकारी अनुदान और सहायता लेते हैं। बीसीसीआई खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि विभिन्न संगठन कई बार बीसीसीआई को आरटीआई(सूचना का अधिकार) के दायरे में लाने की मांग करते रहे हैं। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था। इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है। पिछले महीने लोकसभा में पेश बिल के क्लॉज 15(2) में कहा गया था कि किसी मान्यता प्राप्त खेल संगठन को इस अधिनियम के तहत अपने कार्यों, कर्तव्यों और शक्तियों के प्रयोग के संबंध में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण माना जाएगा। बदले गए प्रावधान में लिखा है कि सिर्फ वे संस्थाएं आरटीआई के दायरे में आएंगी, जो सरकार से फंड या मदद लेती हैं। अब सरकारी धन से चलने वाले संगठनों पर ही आरटीआई लागू होगा। इसका मतलब यह हुआ कि बीसीसीआई अब आरटीआई के दायरे में नहीं आएगा। मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि सरकारी मदद सिर्फ पैसे तक सीमित नहीं है। अगर किसी खेल संगठन को इवेंट कराने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर या कोई और सुविधा मिलती है, तो उसे भी आरटीआई के तहत लाया जा सकता है। सरकार इससे पहले बीसीसीआई को सूचना के अधिकार के दायरे में लाने का प्रयास कर चुकी है, लेकिन बीसीसीआई के लिए यह हमेशा से पेचीदा मामला रहा है। बोर्ड ने खुद को आरटीआई के दायरे में आने का लगातार विरोध किया है क्योंकि बोर्ड अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के विपरीत सरकारी सहायता पर निर्भर नहीं है। विधेयक में संशोधन से इन आशंकाओं पर विराम लग गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि वे पहले नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल को स्टडी करेंगे और उसके बाद ही इस पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार को खुलासा किया कि बीसीसीआई अब नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल के दायरे में आ सकता है। यह बिल संसद में पेश किया जाएगा।

स्पोर्ट्स बिल का असर नहीं सरकारी फंड लेने वाले फेडरेशन पर नियम लागू

खास खबर

शुभमन गिल को उत्तर क्षेत्र की कमान

नई दिल्ली : भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को आगामी दलीप ट्रॉफी 2025-26 के लिए उत्तर क्षेत्र की कमान सौंपी गई। चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल की अगुवाई में दलीप ट्रॉफी के लिए उत्तर क्षेत्र की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरान हुए विचार विमर्श के बाद यह फैसला लिया गया कि अगर भारतीय टीम की सीरीज और दलीप ट्रॉफी मैचों का आपस में टकराव होता है तो शुभमन गिल की जगह शुभमन रोहिता, अर्शदीप सिहे की जगह गुरनूर बरार तथा हर्षित राणा की जगह अर्जुन ठकराल उत्तर क्षेत्र की ओर से खेलेंगे। दलीप ट्राफी के लिए उत्तर क्षेत्र टीम इस प्रकार है:- शुभमन गिल (कप्तान), शुभमन खजुरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बदौनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत सिंधु, साहिल लोतरा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल काम्बोज,अुकब नबी, कन्हैया वाधवन (विकेटकीपर)।

भारत का मुकाबला उज्बेकिस्तान और किर्गिज गणराज्य से

नई दिल्ली : भारत की अंडर-17 महिला टीम को गुरुवार, 7 अगस्त, 2025 को मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित एएफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशिया कप चीन 2026 क्वालीफायर के ग्रुप जी में उज्बेकिस्तान और किर्गिज गणराज्य के साथ रखा गया है। इस ड्रॉ में 27 टीमों को आठ ग्रुपों में विभाजित किया गया था। तीन-तीन टीमें चार-चार और पांच -पांच टीमें तीन-तीन के ग्रुप में रखी गयी हैं। वे 13 से 17 अक्टूबर, 2025 तक एकल राउंड-रॉबिन केंद्रीकृत लीग प्रारूप में क्वालीफायर में भाग लेंगे। भारत का सामना 13 अक्टूबर को किर्गिज गणराज्य और 17 अक्टूबर को बिश्केक में उज्बेकिस्तान से होगा। आठ ग्रुप विजेता फाइनल के 10वें संस्करण में पहुंचेंगे, जहां उनके साथ फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2025 के चार एएफसी प्रतिनिधि शामिल होंगे, जिन्होंने स्वतः ही क्वालीफाई कर लिया है। डीपीआर कोरिया, जापान, कोरिया गणराज्य और चीन, जिससे 12 सदस्यीय टीम बनेगी। जो पिछले संस्करण से चार ज्यादा है। क्वालीफायर ड्रॉ के लिए, 27 टीमों को फाइनल के पिछले तीन संस्करणों में उनकी अंतिम रैंकिंग से प्राप्त अंक प्रणाली के आधार पर चार पॉट में रखा गया था। भारत को पॉट 1 में वरीयता दी गई थी। एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026, 30 अप्रैल से 17 मई, 2026 तक आयोजित किया जाएगा और शीर्ष चार टीमें फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप मोरक्को 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत ने आखिरी बार 2005 में एएफसी अंडर-17 महिला एशिया कप में भाग लिया था। यंग टाइग्रेसेस का लक्ष्य क्वालीफायर के माध्यम से पहली बार महाद्वीपीय चरण के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रचना होगा।

ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम ने इंडिया ए को 13 रनों से हराया

मकाय : अनिका लीरॉइड (नाबाद 50) के बाद एमी एडगर और सियाना जिंजर (दो-दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया महिला ए टीम ने गुरुवार को पहले टी-20 मुकाबले में इंडिया ए को 13 रनों से हरा दिया। 138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए की शुरुआत बेहद धीमी रही और उसने चौथे ओवर की पहली गेंद पर शेफाली वर्मा (तीन) का विकेट गंवा दिया। उस समय टीम का स्कोर 13 रन था। इसके बाद धारा गुज्जर (सात), दिनेश वृंदा (पांच) रन बनाकर आउट हुई। 12वें ओवर में उमा छेत्री (31) रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुई। इसके बाद राघवी बिष्ट और कप्तान राधा यादव ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी हुई। 17वें ओवर में सियाना जिजर ने राघवी बिष्ट को आउट कर इंडिया ए के मैच जीतने की उम्मीदों को झटका दिया। राघवी बिष्ट ने 20 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रनों की पारी खेली।

सिराज के समर्थन में तेंदुलकर

बोले : सिराज को वह सम्मान नहीं मिलता जो मिलना चाहिए

● नई दिल्ली, एजेंसी

लीजेंड बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उन कुछ भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की है, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाई। यह सीरीज, आखिरी दिन के दिल थाम देने वाले अंत के बाद 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। तेंदुलकर ने 'अविश्वसनीय' मोहम्मद सिराज की तारीफ की, केएल राहुल के ऑफ स्टंप के आसपास अपने खेल को 'सटीक फुटवर्क' के साथ कसने की बात कही, यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतकों, जज्बा और परिपक्वता की चर्चा की और शुभमन गिल के कप्तान के रूप में 'शांत और संयमित' रहने की भी तारीफ की। इस सीरीज में कई मोड़, जोरदार टकराव और कुछ असाधारण व्यक्तिगत प्रदर्शन हुए, जैसे ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स का चोटिल होने के बावजूद बल्लेबाजी करने आना। पंत ने पांच में से चार टेस्ट खेले और दो शतक व तीन अर्धशतक लगाए, जिनमें आखिरी पारी उन्होंने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के साथ खेली। उन्होंने 68.42 की औसत और 77.63 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। तेंदुलकर ने रेडिट पर कहा कि जो स्वीप शॉट उन्होंने खेला, उसमें वह गेंद के नीचे आना पसंद करते हैं ताकि उसे ऊंचाई के साथ स्कूप कर सकें। लोग सोचते हैं कि वह गिर गए हैं, लेकिन यह जानबूझकर किया गया है ताकि वह गेंद के नीचे आ सकें। ऐसे शॉट खेलने का राज यही है कि आप गेंद के नीचे आ सकें। यह एक योजना के तहत गिरना होता है, वह असंतुलित नहीं होते हैं। यह सब गेंद की लेंथ पर निर्भर करता है। पंत के शॉट खेलने के तरीके और उनमें जो 'पंच' होता है, उसे 'ईश्वर का वरदान' बताते हुए तेंदुलकर ने कहा कि कई बार लोग सोचते हैं कि उन्हें यह शॉट नहीं खेलना चाहिए, यह सही समय नहीं है। लेकिन ऋषभ जैसे खिलाड़ी को अकेला छोड़ देना चाहिए। जब वह मैच बचाने की सोच रहे हो, तो उन्हें एक अलग तरीका अपनाना होगा। लेकिन उन्होंने यह समझ लिया है कि पारी को कैसे खेलना है, यह मैच की स्थिति पर निर्भर करता है। इस सीरीज में भारत के दो प्रमुख बल्लेबाज गिल और राहुल रहे, जिन्होंने क्रमशः 754 और 532 रन बनाए और मिलकर छह शतक लगाए। तेंदुलकर ने बताया कि दोनों बल्लेबाजों का 'सटीक फुटवर्क' इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में देखने लायक था। कप्तान के रूप में गिल का रन योग डॉन ब्रैडमैन के 1936 में बनाए गए 810 रनों के बाद दूसरा सबसे अधिक था। उन्होंने गिल के बारे में कहा कि वह अपने सोचने के तरीके में बेहद निरंतर थे क्योंकि यह आपके फुटवर्क में भी झलकता है। अगर आप दिमाग में स्पष्ट नहीं हैं, तो आपका शरीर भी वैसे ही प्रतिक्रिया नहीं करता है। वह पूरी तरह से नियंत्रण में लग रहे थे, उनके पास गेंद को खेलने के लिए बहुत समय था। सबसे महत्वपूर्ण बात जो मैंने देखी वह थी- अच्छी गेंद को सम्मान देना, जबकि कई बार प्रवृत्ति होती है कि आप फ्रंटफुट पर जाकर गेंद को खेल दें, भले ही वह पास न हो। वह वहां डटे रहे और लगातार फ्रंटफुट पर अच्छी तरह से डिफेंड किया। उनका फ्रंटफुट डिफेंस मजबूत था। राहुल के बारे में तेंदुलकर ने कहा कि वह शानदार थे, शायद मैंने उन्हें इससे बेहतर बल्लेबाजी करते कभी नहीं देखा। जिस तरह वह शरीर के पास डिफेंस कर रहे थे, वह बहुत ही व्यवस्थित तरीके से गेंद छोड़ रहे थे।

न्यूजीलैंड के कप्तान लैथम जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर

● बुलावायो, एजेंसी

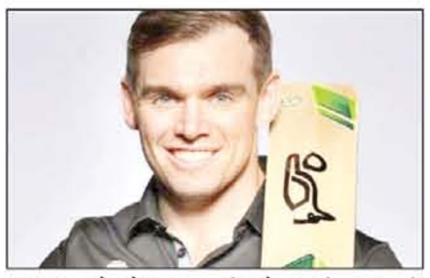

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम गुरुवार से बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू हुए दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। लैथम, जो बाएं कंधे की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए थे, रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, लेकिन दो टेस्ट मैचों की सीरीज के निर्णायक मैच के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए।

उनकी जगह, मिशेल सैंटनर टीम की कमान संभालेंगे, जिन्होंने शेवरॉन के खिलाफ पहले मैच में ब्लैक कैप्स की कप्तानी की थी। न्यूजीलैंड की टीम तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के और ऑलराउंडर नाथन स्मिथ की सेवाओं के बिना खेलेगी, दोनों पहले टेस्ट में खेले थे, लेकिन दूसरे टेस्ट से पहले चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि टॉम को फिर से खोना बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि वह कड़ी मेहनत कर रहे थे और दूसरे टेस्ट मैच के लिए अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन दुर्भाग्य से आज वह अपना फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए। वाल्टर ने कहा कि वह बहुत निराश हैं कि वह मैदान पर नहीं उतर पाएंगे और हमें उनका बहुत दुख है। इस बीच, नए बल्लेबाज बेवोन जैकब्स को फील्डिंग और बैटिंग कवर के तौर पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, जैकब्स ने पिछले महीने प्रोटियाज और जिम्बाब्वे के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान न्यूजीलैंड के लिए अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। वाल्टर ने आगे कहा कि मैच की पूर्व संध्या पर टॉम के बाहर होने के कारण हमें फील्डिंग और बैटिंग कवर के लिए जल्दी से एक अतिरिक्त खिलाड़ी को टीम में शामिल करना पड़ा। शुक्र है कि बेवोन जोहान्सबर्ग में खेल रहे थे और बुलावायो की छोटी यात्रा करने में सफल रहे। पहले टेस्ट में नौ विकेट से शानदार जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड सीरीज में 1-0 से आगे है।

गैरी कर्स्टन ने भारतीय टीम की तारीफ की

● नई दिल्ली, एजेंसी

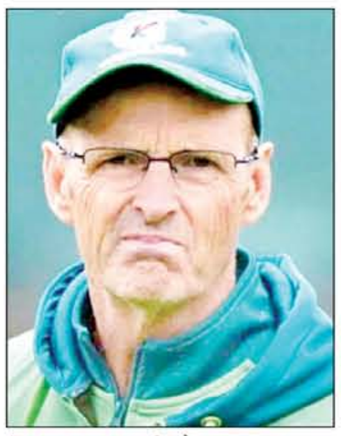

बोले : भारत ने जिस तरह सीरीज में बराबरी की, उसे देखकर रोमांचित हूं

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर और भारत की 2011 की विश्व कप विजेता टीम के कोच रहे गैरी कर्स्टन ने क्रिकेट पर ज्यादा सवालों के जवाब तो नहीं दिए लेकिन इतना जरूर कहा कि जिस तरह भारत ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रा खेली उसे देखकर वह रोमांचित हैं।

भारत ने द ओवल में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में इंग्लैंड को छह रनों से हराकर शानदार अंदाज में सीरीज बराबर की। जो रूट और हैरी ब्रुक के शतकों ने इंग्लैंड को ऐतिहासिक लक्ष्य का पीछा करने के कगार पर ला खड़ा किया था, लेकिन पांचवें दिन दबाव में धारदार गेंदबाजी से भारतीय गेंदबाजों ने मैच का रुख पलट दिया। अंतिम दिन की शुरुआत में, इंग्लैंड को चार विकेट शेष रहते केवल 35 रनों की आवश्यकता थी। प्रसिद्ध कृष्णा ने अपनी पहली दो गेंदों पर दो चौके खाए, जिससे भारतीय उम्मीदें कुछ देर के लिए डगमगा गईं। लेकिन मोहम्मद सिराज ने अपनी अदम्य ऊर्जा से, जेमी स्मिथ को एक ऐसी गेंद पर आउट करके मैच का रुख बदल दिया जो देर से सीम करती हुई आई थी, और अगली ही गेंद पर गस एटकिंसन को लगभग आउट कर दिया था। इसके बाद सिराज ने अपने अगले ओवर में जेमी ओवरटन को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया, गेंद लेग स्टंप से थोड़ा छूकर गई थी - रिव्यू पर अंपायर का फैसला बरकरार रहा। प्रसिद्ध जोश टंग की परीक्षा लेने के लिए लौटे, उन्हें लगभग एलबीडब्ल्यू आउट कर ही दिया था, लेकिन रिव्यू ने टंग को कुछ समय के लिए बचाए रखा। हालांकि, कुछ ओवर बाद उन्होंने तेज गेंदबाजी करते हुए टंग को आउट कर दिया, जिससे इंग्लैंड के नौ रन पर नौ विकेट गिर गए। जब 11 रन की जरूरत थी, तब इंग्लैंड की आखिरी उम्मीद क्रिस वोक्स पर टिकी थी, जो कंधे की चोट के बावजूद बाएं हाथ से बल्लेबाजी करने उतरे और सभी को चौंका दिया। एटकिंसन ने उन्हें बचाने की कोशिश की, यहां तक कि सिराज पर छक्का भी जड़ दिया। लेकिन यह प्रतिरोध ज्यादा देर तक नहीं चला। सिराज ने एटकिंसन के डिफेंस को भेदते हुए यादगार पांच विकेट हासिल किए और भारत को जीत दिलाई। पूर्व भारतीय कोच गैरी कर्स्टन ने वर्तमान कोच गौतम गंभीर और शुभमन गिल की अगुवाई वाली युवा टीम की जमकर तारीफ की।

विश्वास और समर्थन ला सकते हैं बदलाव

भारतीय खेलों में महिलाओं के उत्थान के जश्न में शामिल हुई सानिया मिर्जा और पीवी सिंधु

● मुंबई, एजेंसी

भारतीय खेलों के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक क्षण था, जब कैप्री स्पोर्ट्स फाउंडेशन के द स्पोर्ट्स वीमेन हडल में बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट, 'भारत में महिला खेलः पोडियम से मुनाफे तक - एक कहानी का निर्माण' लॉन्च हुई।

केपीएमजी स्पोर्ट्स एडवाइजरी के सहयोग से तैयार की गई यह रिपोर्ट, भारत में महिला खेलों के व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी तरह की पहली गहन पड़ताल है, जिसमें दर्शकों के रुझान, ब्रांड साझेदारी, प्रायोजन डेटा और सामाजिक प्रभाव शामिल हैं। यह विस्तृत शोध कार्य महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) जैसी लीगों के तेजी से बढ़ते विकास, सोशल मीडिया पर महिला एथलीटों के बढ़ते प्रभाव और विकसित होते प्रशंसक आधार पर प्रकाश डालता है जो अब उतना ही सक्रिय, लिंग-भेद-रहित और वफादार है। खेल जगत की प्रतिभा की पृष्ठभूमि में, एक शानदार शाम को, इस कार्यक्रम ने न केवल भारतीय खेलों में महिलाओं के उत्थान का जश्न मनाया, बल्कि एक ऐसे उद्योग के भविष्य का भी जश्न मनाया जो एक बड़े बदलाव के कगार पर है। पीवी सिंधु, सानिया मिर्जा , दीपा मलिक और अतीका मीर जैसी प्रसिद्ध सितारों की उपस्थिति में, माहौल भावनाओं, गर्व और उद्देश्य से भर गया। एथलीटों ने अपने सफर के बारे में विस्तार से बात की, अपनी दृढ़ता और कड़ी मेहनत की कहानियां सुनाईं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अनगिनत गौरव के पल मिले। यह रिपोर्ट महिला खेल पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालती है, जैसे विकास के कारक, दर्शक, सामाजिक और डिजिटल प्रभाव और पदचिह्न, रणनीतिक निवेश, और अंततः भविष्य का पूर्वानुमान, तथा पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल सभी हितधारकों के लिए सिफारिशें। डब्ल्यूपीएल दर्शकों की संख्या सिर्फ एक साल में 150% बढ़ी। महिला एथलीट अब 63 मिलियन डॉलर के ब्रांड निवेश आकर्षित कर रही हैं। भारत के गेमिंग दर्शकों में महिला प्रशंसकों की हिस्सेदारी 44% है। महिलाओं के खेलों को लेकर सोशल मीडिया पर बातचीत 10 गुना बढ़ी है। 2030 तक अनुमानित व्यावसायिक मूल्यः 900 मिलियन डॉलर इस अवसर पर, कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक जिनिशा शर्मा ने कहा कि यह रिपोर्ट हर उस युवा लड़की के लिए बेहद निजी है जिसने सपने देखने की हिम्मत की, और हर उस महिला के लिए जिसने मैदान पर जगह बनाने के लिए संघर्ष किया। भारत में महिला खेल कोई शांत आंदोलन नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली आंदोलन है। एक ऐसी क्रांति जिसने लोगों को चौंका दिया है और ध्यान देने पर मजबूर कर दिया है। यह रिपोर्ट सिर्फ आंकड़ों का एक प्रस्तुतीकरण नहीं है, बल्कि समानता, प्रेरणा और अपार संभावनाओं का एक दृष्टिकोण भी है। मैं हर ब्रांड, निवेशक और बदलाव लाने वाले से आग्रह करती हूं कि इसे सिर्फ एक अवसर के रूप में न देखें, बल्कि एक जिम्मेदारी के रूप में भी देखें। क्योंकि जब हम महिला खेलों में निवेश करते हैं, तो हम एक ऐसे भविष्य में निवेश करते हैं जहां हर एथलीट आगे बढ़ सके।

भारत दौरे के लिए सैम कोंस्टॉस ऑस्ट्रेलिया ए टीम में शामिल

● सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारतीय दौरे के लिए सैम कोंस्टॉस, नेथन मैकस्वीनी और ओलिवर पीक को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चुना है।

ऑस्ट्रेलियाई ए टीम सितंबर में लखनऊ में भारत ए के खिलाफ दो लाल गेंद के चार-दिवसीय मैच खेलेगी। चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के 2027 की टेस्ट दौरे को ध्यान में रखते हुए कोंस्टॉस, नेथन मैकस्वीनी और ओलिवर पीक को टीम में जगह दी है। इसके अलावा ओपनर कैम्पबेल केल्लावे भी इस टीम में शामिल हैं। हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले जेक वेदराल्ड, जेसन सांघा और कर्टिस पैटरसन, मार्कस हैरिस, कैमरन बैनक्राफ्ट और मैट रेनशॉ को टीम में जगह नहीं मिली है। राष्ट्रीय चयनकर्ता ने यह टीम स्पष्ट रूप से युवा खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों का अनुभव देने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण से चुनी है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को जनवरी-फरवरी 2027 में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत का दौरा करना है। तब तक संभावना है कि ऑस्ट्रेलिया की टॉप-6 की संरचना कुछ अलग हो सकती है क्योंकि उस समय तक उस्मान ख्वाजा के खेलने की संभावना नहीं है और स्टीवन स्मिथ भी 2027 में 38 वर्ष के हो जाएंगे। 2023 में भारत में चार टेस्ट में 14 विकेट लेने वाले ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी को टीम में शामिल किया गया है, एक अन्य ऑफ स्पिनर कोरे रॉकीचियोली को भी मौका मिला है।

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है–

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

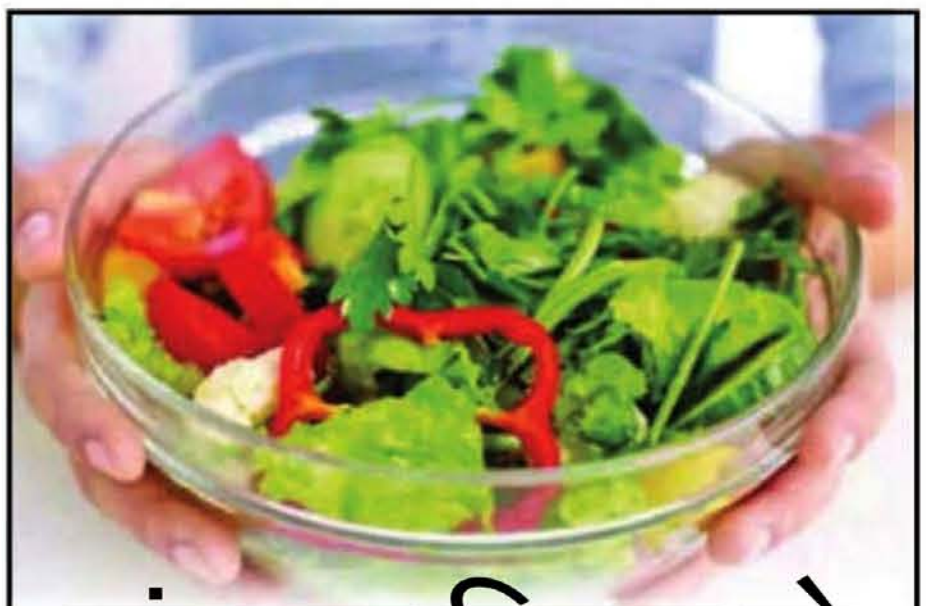

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

टीवी से फिल्मों में साइड हीरो तक, अब जीता बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड

आज 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड की घोषणा की गई। इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी को उनकी फिल्म 12वीं फेल के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। टीवी की दुनिया से फिल्मों में एंट्री करने वाले विक्रांत ने बेहद कम समय में ही अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अब विक्रांत ने अपने छोटे से करियर में ही नेशनल अवॉर्ड भी हासिल कर लिया है।

विक्रांत को अपना पहला नेशन अवॉर्ड 2023 में आई फिल्म '12वीं फेल' के लिए मिला है। यह एक बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म है। ये फिल्म आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा और उनकी पत्नी आईआरएस ऑफिसर श्रद्धा जोशी के जीवन से प्रेरित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी के साथ मेधा शंकर और अनंत वी जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस फिल्म को विधु विनोद चोपड़ा ने निर्देशित किया है।

टीवी से की एक्टिंग की शुरुआत, 'लुटेरा' में पहली बार बड़े पर्दे पर आए नजर

विक्रांत मैसी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में आए टीवी सीरियल 'धूम मचाओ धूम' से की थी। इसके बाद विक्रांत ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया। विक्रांत ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2013 में आई रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'लुटेरा' से की थी। इस फिल्म में विक्रांत साइड रोल में नजर आए थे। इसके बाद विक्रांत ने कई फिल्मों में साइड रोल किए हैं। 'दिल धड़कने दो', 'हाफ गर्लफ्रेंड' और 'लिपिस्टिक अंडर माय बुर्का' शामिल हैं।

मिर्जापुर से मिली पहचान

विक्रांत ने अपने करियर में 'छपाक', 'ए डेथ इन द गंज', 'गिन्नी वेड्स सन्नी', 'हसीन दिलरुबा' और '14 फेरे' जैसी कई फिल्में की हैं। उन्हें पहचान वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से मिली। इसके बाद 12वीं फेल ने विक्रांत को स्टार बना दिया। फिल्म में विक्रांत की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। विक्रांत आखिरी बार 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आए थे।

तमन्ना भाटिया ने बताया

एडल्ट फ्रेंडशिप क्यों सबसे अच्छी होती है

इस फ्रेंडशिप डे पर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने बताया कि जहां सब स्कूल और कॉलेज के दोस्तों की बात करते हैं, वहीं उनके हिसाब से बड़ों की दोस्ती (एडल्ट फ्रेंडशिप) सबसे अच्छी होती है। तमन्ना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए एडल्ट फ्रेंडशिप के फायदे बताए। इस वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, आप जानते हैं, बड़ों की दोस्ती सबसे अच्छी होती है। यह ऐसा है जैसे मैं जिस भी दोस्त से बात करती हूं, हमारी हर कॉल आई लव यू के साथ समाप्त होती है। हर फोन कॉल इस बारे में होती है कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, और यह एक गलत धारणा है कि आप अपने सबसे अच्छे दोस्तों से स्कूल और कॉलेज में मिलते हैं। मुझे लगता है कि एडल्ट फ्रेंडशिप सबसे अच्छी होती है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तमन्ना की करीबी दोस्तों में से एक राशा थडानी ने कमेंट सेक्शन में टिप्पणी की, उन्होंने लिखा, मैं तुमसे प्यार करती हूं, तुम मुझे रुला दोगी। काजल अग्रवाल ने लिखा, ओह, मैं तुमसे प्यार करती हूं! हैप्पी फ्रेंडशिप डे, मेरी प्यारे तमू। मृणाल ठाकुर ने लिखा, ओह, मुझे रोना आ रहा है। मृणाल ने तमन्ना की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक संदेश के साथ रीशेयर भी किया।

बाहुबली अभिनेत्री पर प्यार बरसाते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी व्यस्त और अस्त-व्यस्त हो सकती है, लेकिन आप जैसे दोस्तों के साथ सब कुछ अच्छा लगता है। आप मेरे जीवन में ढेर सारी खुशियां और प्यार लेकर आती हैं और मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। लव यू। अभिनेत्री तमन्ना वर्तमान में अपनी अगली फिल्म वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में व्यस्त हैं, जहां वह पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इस फिल्म के मनोरंजक टीजर में तमन्ना को पौराणिक कथाओं और रहस्यवाद की दुनिया में कदम रखते हुए दिखाया गया है। वह नंगे पैर किसी नुकीली चीज पर कदम रखती हुई दिखाई देती हैं, वह हिचकती हैं लेकिन फिर भी नहीं रुकतीं। एक जलती हुई मशाल लिए वह एक अंधेरे जंगल में जाती हैं। अरुणाभ कुमार द्वारा निर्देशित, वन – फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर (टीवीएफ) की ओर से बनाई जा रही है।

गुडाचारी 2 को लेकर अदिवि शेष का खुलासा

अदिवि शेष और इमरान हाशमी फिल्म गुडाचारी 2 में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अदिवि ने इमरान के साथ काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है।

इमरान को लेकर अदिवि की राय

खबर के मुताबिक, हाल ही में अदिवि शेष ने गुडाचारी 2 में बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर अपने दिल की बात शेयर की है। एक इंटरव्यू में अदिवि शेष ने कहा कि वह इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा उनका फैन रहा हूं। मैं थिएटर में उनकी शानदार मौजूदगी और जोश देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल है।

फिल्म के सेट पर घायल हुए थे इमरान

हैदराबाद में फिल्म गुडाचारी 2 के एक एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त इमरान हाशमी घायल हो गए थे। उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। दरअसल, इमरान जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हुए थे, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया था। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हुई थी। इमरान की इस वायरल तस्वीर पर उनके प्रशंसकों में भी चिंता जताई थी।

गुडाचारी 2 एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है। गुडाचारी 2 में अदिवि शेष और इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अगस्त में अदिवी सेश ने इमरान हाशमी के गुडाचारी 2 में शामिल होने की घोषणा की थी। यह फिल्म अदिवि सेश के साथ इमरान हाशमी की दूसरी तेलुगु फिल्म है। गुडाचारी 2 इमरान हाशमी की तेलुगु सिनेमा में आने वाली एकमात्र फिल्म नहीं है। वह पावर स्टार पवन कल्याण की आगामी फिल्म हन्न में भी नजर आने वाले हैं।

'सन ऑफ सरदार 2' में रोहित शेट्टी का कैमियो से है 'गोलमाल 5' का कनेक्शन?

फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की कॉमेडी दर्शकों को कितनी पसंद आएगी, यह तो बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट ही बताएगी। लेकिन इस फिल्म में डायरेक्टर रोहित शेट्टी का कैमियो देखकर दर्शक जरूर हैरान हैं। 'सरदार ऑफ सरदार 2' के कैमियो के जरिए रोहित शेट्टी अपनी फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर बड़ा अपडेट भी देते हैं। फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में एक सीन है, जिसमें रोहित शेट्टी की एंट्री होती है। वह इस सीन में बस आकर इतना कहते हैं, 'गोलमाल 5 की तैयारी कर रहा हूं।' इसी बात से हिंट मिलता है कि वह अजय देवगन के साथ जल्द ही 'गोलमाल 5' बनाने वाले हैं। रोहित शेट्टी डायरेक्टेड कॉमेडी फिल्म 'गोलमाल' सीरीज में अजय देवगन हमेशा नजर आए हैं। इस सीरीज की फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब सराहा है। अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने 'गोलमाल' सीरीज की फिल्मों के अलावा कई फिल्में की हैं। जिसमें 'जमीन', संडे, ऑल द बेस्ट, सिंघम, बोल बच्चन, सिंबा, सूर्यवंशी, सिंघम अगेन शामिल हैं। दोनों ने 12 फिल्में साथ की हैं। अब इनकी अगली फिल्म साथ में 'गोलमाल 5' होगी।

शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस बेटी मालती मैरी के साथ मोतियों के शहर हैदराबाद पहुंचीं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फैंस को झलक दिखाई। प्रियंका ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें साझा कीं। पहली तस्वीर में मालती के छोटे-छोटे पैर और हाथ नजर आ रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, मामा और मालती। दूसरी तस्वीर में मालती कार की खिड़की से बाहर देख रही हैं, जिस पर लिखा है, हैदराबाद, हम पहुंच गए। प्रियंका ने यह नहीं बताया कि वह हैदराबाद क्यों आई हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि वह फिल्म निर्माता एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी29 की शूटिंग के लिए यहां हैं। इस बड़े बजट की फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा ओडिशा में पहले ही पूरा हो चुका है। इस एक्शन-एडवेंचर फिल्म में इतिहास और पौराणिक कथाओं का मिश्रण होगा, जिसमें प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं ने कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उम्मीद है कि फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका हाल ही में एक्शन-कॉमेडी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आई थीं, जिसका निर्देशन इल्या नाइशुलर ने किया। इस फिल्म में उनके साथ इदरिस एल्बा, जॉन सीना, पैडी कॉन्सिडाइन, स्टीफन रूट, कार्ला गुगिनो, जैक क्वैड और सारा नाइल्स जैसे एक्टर्स हैं। प्रियंका ने इस फिल्म में एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभाई, जो एक हाई-प्रोफाइल मिशन के दौरान जॉन सीना और इदरिस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर काम करती हैं। प्रियंका की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही कृष 4 में दिखाई देंगी।

27 साल से इंडस्ट्री में एक्टिव, कभी नहीं मिला लीड रोल; फिर भी दर्शकों के दिलों पर करते हैं राज

आपको 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' के मशहूर गुलाटी और रिंकू देवी और 'द कपिल शर्मा शो' के इंजीनियर साहब तो याद ही होंगे। इन सभी किरदारों को मशहूर बनाने वाले हैं कॉमेडियन और एक्टर सुनील ग्रोवर। सुनील ग्रोवर को इंडस्ट्री में लगभग 27 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने टेलीविजन से लेकर फिल्मों तक में अलग-अलग तरह के कई किरदार निभाए हैं। इन सभी किरदारों को सुनील ग्रोवर ने अपने अभिनय से यादगार बनाया है। हालांकि, ये सुनील ग्रोवर की बदकिस्मती ही रही कि साल 1998 से फिल्मों में नजर आने के बावजूद सुनील ग्रोवर को बॉलीवुड में वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे।

इंडस्ट्री के तीनों खानों- शाहरुख, आमिर और सलमान के साथ फिल्में करने के बावजूद सुनील ग्रोवर को पहचान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो से ही मिली। आज सुनील ग्रोवर अपना 48वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानते हैं सुनील ग्रोवर की फिल्मोग्राफी के बारे में और किन-किन बड़ी फिल्मों में सुनील ग्रोवर ने निभाए अहम किरदार।

1998 से फिल्मों में नजर आ रहे सुनील ग्रोवर

3 अगस्त 1977 को हरियाणा के सिरसा में जन्में सुनील ग्रोवर एक्टिंग की दुनिया में साल 1995 से एक्टिव हैं और फिल्मों में वो 1998 से नजर आ रहे हैं। इस दौरान वो कई बड़ी फिल्मों में भी नजर आए हैं। जिनमें 'प्यार तो होना ही था', 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह', 'मैं हूं ना', 'गजनी', 'भारत' और 'जवान' जैसी फिल्में शामिल हैं। सुनील ग्रोवर को दिवंगत एक्टर-कॉमेडियन जसपाल भट्टी की खोज बताया जाता है।

तीनों खानों की फिल्मों में निभाए किरदार

सुनील ग्रोवर के फिल्मों में प्रमुख किरदारों की बात करें तो इनमें साल 2002 में अजय देवगन की 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' का जयदेव कपूर से लेकर 2008 में आई आमिर खान की 'गजनी' का संपत, 'जिला गाजियाबाद' का फकीरा, अक्षय कुमार की 'गब्बर इज बैक' का हवलदार साधुराम, टाइगर श्रॉफ की 'बागी' का पीपी खुर्राना, विशाल भारद्वाज की 'पटाखा' का डिपर, सलमान खान की 'भारत' का विलायती खान, अमिताभ बच्चन की 'गुडबाय' के पंडित जी और शाहरुख खान की नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म 'जवान' का ईरानी जैसे यादगार किरदार शामिल हैं।

ओटीटी पर मिलीं दमदार भूमिकाएं

हालांकि, लंबे संघर्ष के बाद सुनील ग्रोवर को ओटीटी में जरूर लीड रोल भी मिले और ऐसे किरदार भी मिले, जो कहानी में अहम भूमिका निभाते हैं। फिर वो चाहें जी5 की उनकी सीरीज 'सनफ्लावर' हो या फिर प्राइम वीडियो पर आई सैफ अली खान, जीशान अय्यूब, तिग्मांशु धूलिया और डिंपल कपाड़िया की वेब सीरीज 'तांडव'। इनमें सुनील ग्रोवर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए।

निभाए यादगार किरदार, लेकिन....

इतनी बड़ी फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाने के बावजूद सुनील ग्रोवर को बॉलीवुड में कभी वो पहचान नहीं मिली जिसके वो हकदार थे। यही कारण है कि इंडस्ट्री में 27 साल से संघर्ष करने के बावजूद सुनील ग्रोवर आजतक किसी फिल्म में लीड रोल में नजर नहीं आए हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुनील ग्रोवर के किरदारों में गंभीरता जरूर देखने को मिली है और उनके अभिनय के दम पर उनके उन किरदारों को नोटिस भी किया गया है। फिर वो चाहें 'गब्बर इज बैक' का कांस्टेबल साधुराम का किरदार हो या फिर 'गुडबाय' के पंडित जी का किरदार या 'जवान' फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया ईरानी का किरदार। सुनील ग्रोवर के इन किरदारों को काफी पसंद किया गया।

कपिल शर्मा के शो से मिली पहचान

हालांकि, सुनील ग्रोवर को पहचान टीवी की दुनिया से ही मिली। उनमें भी खासकर कपिल शर्मा के साथ उनके शो 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल', 'द कपिल शर्मा शो' और अब 'ग्रेट इंडियन कपिल शो'। कपिल शो में पहले गुत्थी के किरदार से फेमस हुए सुनील ग्रोवर ने बाद में इन्हीं शोज में कभी रिंकू देवी, मशहूर गुलाटी, इंजीनियर साहब जैसे कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए, जिन्हें सुनील ग्रोवर की जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और एक्टिंग की वजह से काफी पसंद किया गया।

नोएडा स्टेडियम में शटल का म्यूरल स्थापित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में शटल की आकृति का म्यूरल स्थापित किया गया है। उक्त शटल पूर्ण रूप से स्टील से निर्मित है। उक्त शटल के निर्माण का उद्देश्य नोएडा क्षेत्र के युवाओं और बच्चों को खेल के प्रति जागरूक किया जाना और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम. ने उक्त शटल का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर डीजीएम विजय रावल तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

भनौता में गरजा 'बाबा का बुल्डोजर'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम भनौता में अधिसूचित एरिया पर अतिक्रमण के खिलाफ बृहस्पतिवार को बुल्डोजर चलाया। प्राधिकरण ने करीब 65 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया है, जिसकी कीमत करीब 130 करो? रुपये आंकी जा रही है। बताया जा रहा है कि कालोनाइजर इस जमीन पर अवैध निर्माण कर कालोनी काटने की कोशिश रहे थे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई जारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के परियोजना और भूलेख विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से बृहस्पतिवार को भनौता गांव में अतिक्रमण पर कार्रवाई की। इस कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे प्राधिकरण के परियोजना विभाग के महाप्रबंधक एके सिंह और ओएसडी राम नयन सिंह ने बताया कि कालोनाइजर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया ग्राम भनौता के खसरा संख्या-131, 207, 228, 294, 295 296 में लगभग 65 हजार वर्ग मीटर जमीन पर बिना प्राधिकरण की अनुमति निर्माण कर रहे थे। कालोनाइजरों ने अवैध रूप से दूर दर्जन मकान भी बना लिए थे। अवैध कालोनी काटने की कोशिश कर रहे थे। बिना नक्शा पास कराए अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्राधिकरण की तरफ से नोटिस भी जारी की गई, लेकिन कालोनाइजर चोरी-छिपे अवैध कालोनी काटने की कोशिश कर रहे थे। बृहस्पतिवार को महाप्रबंधक एके सिंह, ओएसडी राम नयन सिंह, एसीपी वीर कुमार ने वर्क सर्किल दो के प्रभारी नरोत्तम सिंह व अन्य स्टाफ और पुलिस बल के साथ मिलकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्राधिकरण की टीम ने 06 जेसीबी और 5 डंपर की मदद से तीन घंटे में कार्रवाई संपन्न की। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत 130 करो? रुपये आंकी गई है।

करोड़ों की जमीन से हटाया अवैध निर्माण

पत्रकारों के लिए तनावमुक्त जीवन का संदेश

मीडिया क्लब नोएडा में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विशेष कार्यक्रम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब, नोएडा में कार्यरत पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए एक विशेष आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारी सेंटर, सेक्टर-46, नोएडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य संचालिका वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी शिक्षिका बी.के. लीना रहीं, जिन्होंने उपस्थित पत्रकारों को राजयोग ध्यान का अनुभव कराया और जीवन में मानसिक शांति लाने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की शुरुआत शांतिपूर्ण राजयोग मेडिटेशन से हुई, जिसमें बी.के. लीना ने सभी पत्रकारों को स्वयं की आत्मिक पहचान का बोध कराते हुए, परमात्मा से जुड़ने की सरल विधि सिखाई। उन्होंने बताया कि पत्रकारिता का क्षेत्र भले ही चुनौतीपूर्ण और तेज़ रफ्तार वाला हो, पर अगर आत्मा भीतर से शांत और सशक्त हो तो बाहरी तनाव स्वत: कम हो जाते हैं।

ब्रह्माकुमारी शिक्षिका बी.के. लीना ने कहा कि तनाव की असली जड़ हमारी आंतरिक स्थिति है, न कि बाहरी घटनाएं। यदि हम अपने विचारों, दृष्टिकोण और प्रतिक्रियाओं पर नियंत्रण रखना सीख जाएं, तो हम किसी भी परिस्थिति में संतुलित रह सकते हैं। ध्यान सत्र के उपरांत ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी मीडिया कर्मियों को राखी बांधी और प्रसाद का वितरण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की। उन्होंने इस अवसर पर कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन मानसिक संतुलन बनाए रखने में अत्यंत सहायक हैं, विशेषकर जब मीडिया की दुनिया 24×7 तनाव और दबाव से भरी होती है।

उन्होंने पत्रकारों को 5 प्रमुख आध्यात्मिक अभ्यास सुझाए जिनमें प्रतिदिन 10-15 मिनट योग ध्यान, हर परिस्थिति में अपनी मानसिक प्रतिक्रिया की ज़िम्मेदारी लेना, दृष्टिकोण को शांतिपूर्ण बनाए रखना, संवाद में मधुरता व समाधानकारी सोच अपनाना एवं सुबह और रात को सकारात्मक संकल्पों के साथ दिनचर्या शुरू और समाप्त करना।

सनातन भारतीय संस्कृति को बढ़ावा दे रहे युवा उद्यमी

एआई का सकारात्मक उपयोग हमें बहुत आगे ले जा सकता है : कैप्टन विकास गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता ने सनातन अनटोल्ड के बैनर तले एआई तकनीक से रक्षाबंधन विषय को लेकर बनाई गयी एक वीडियो को नोएडा मीडिया क्लब में लांच किया।

इस अवसर पर कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि तकनीक का हमारे विकास में महत्वपूर्ण रोल होता है। यदि तकनीक का सही तरीके और समाज के लिए प्रयोग किया जाये तो वह बहुत ही उपयोगी होता है। इस वीडियो में यही दर्शाता गया है। सनातन अनटोल्ड ने अभी तक जितनी भी वीडियो बनाई हैं, उन सभी में समाज के लिए एक पाज़ीटिव संदेश है। तकनीक का पाज़ीटिव प्रयोग हमें बहुत ऊंचाई तक ले जा सकता है।

असीम गुप्ता ने बताया कि सनातन अनटोल्ड एक ऐसा डिजिटल मंच है, जिसका उद्देश्य महान सनातन सभ्यता की 'संस्कृति, ज्ञान और इतिहास' को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से सिनेमाटिक रूप में प्रस्तुत करना है।

इन सभी का दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट है एआई जैसी उन्नत तकनीकों का प्रयोग करके समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और भारत की तथा सनातन संस्कृति की सही, तेजस्वी और प्रेरणादायक छवि पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करना।

इन्होंने आपरेशन सिंदूर पर भी एक वीडियो बनाई जिसे अंब तक 2.5 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है और 1 लाख से अधिक लोगों ने इसे लाइक किया है।

इसके अलावा एक और अदभुत एआई आधारित संगीत वीड़ियो, जो हमारे देश के एक पवित्र पर्व कांवड़ यात्रा पर आधारित है। हाल ही में पूर्ण हुई कांवड यात्रा से संबंधित इस वीड़ियो को दर्शकों द्वारा अत्यधिक सराहा गया।

एआई आधारित यह नवीनतम और भावनात्मक सिनेमैटिक संगीत वीडियो, रक्षा बंधन के पावन अवसर पर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित है। इस वीडियो के गायन, संगीत, संरचना और दृश्य -इन सभी तत्वों का निर्माण अत्याधुनिक एआई टूल्स की सहायता से किया गया है। सम्पूर्ण वीडियो के निर्देशन में सनातन अनटोल्ड टीम ने समर्पित रूप से अपना योगदान दिया है।

जनस्वास्थ्य विभाग ने 5.80 लाख रुपये का जुर्माना ठोंका

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के तहत प्लास्टिक प्रदूषण और खुले में कचरा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया।

महाप्रबंधक एम.पी. सिंह और परियोजना अभियंता इंद्र प्रकाश सिंह के नेतृत्व में नोएडा के विभिन्न बाजारों और प्रतिष्ठानों में निरीक्षण किया गया, जहां साफ-सफाई के नियमों की अनदेखी करने वालों पर भारी जुर्माने लगाए गए।

निरीक्षण की शुरुआत सेक्टर-32 स्थित लॉजिक्स मॉल के बाहर की दुकानों से हुई, जहां दुकानदारों द्वारा खुले में कचरा फैलाना और सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग करते हुए पाया गया। इस पर कार्रवाई करते हुए नोएडा प्राधिकरण द्वारा कुल ?30,000 के चालान काटे गए।इसके बाद टीम छलेरा गांव पहुंची, जहां कई दुकानदारों को खुले में कचरा फेंकते और प्लास्टिक का दुरुपयोग करते हुए पकड़ा गया। यहां प्राधिकरण ने 50,000 रूपये के चालान किए।

सबसे कड़ी और बड़ी कार्रवाई की गई सेक्टर-94 की कैपिटल सिटी में स्थित रेस्टोरेंट्स CAD Tech Bar और Craft Kitchen & Brewery पर।

निरीक्षण के दौरान यहां साफ पाया गया कि कचरे के निस्तारण की कोई उचित व्यवस्था नहीं है, और वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े नियमों का पालन नहीं हो रहा। इसके चलते नोएडा प्राधिकरण ने इन प्रतिष्ठानों पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई, जो अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। इस अभियान में SBM कंसल्टेंट, IEC एक्सपर्ट्स और स्थानीय सामाजिक संगठन (NGOs) भी शामिल रहे।